RNI NO: UPHIN/2023/89251

वर्ष : 02
अंक : 321
बुधवार 28 अक्टूबर 2026
मूल्य : 02 रूपये
पृष्ठ : 08
कुशीनगर से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इंडिपेंडेंट भारत



पेज-2 दिव्य शोभायात्रा के साथ सात दिवसीय.... पेज-3 पंचतत्व में विलीन हुए वरिष्ठ अधिवक्ता.... पेज-4 हत्या के प्रयास में 10 हजार के ईनामिया आरोपी को....

प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेस अध्यक्ष की विवादित टिप्पणी का मामला

खरगे के खिलाफ आक्रोश : भाजपा का देशभर में विरोध प्रदर्शन, माफी की मांग

■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को अपने मुख्यालय और देश के कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कथित 'अपमानजनक' टिप्पणियों को लेकर उनसे माफी की मांग की है। देश के अलग-अलग हिस्सों में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर खड़गे के खिलाफ नारे लगाए और उनसे अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने को कहा।

दिल्ली में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पार्टी के कई अन्य नेताओं के साथ मिलकर मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

बिहार, जम्मू, पश्चिम बंगाल के कोलकाता, कर्नाटक के बेंगलुरु और तेलंगाना के एमजे मार्केट में भी प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने पार्टी के झंडे लिए हुए थे, पुतले जलाए और कांग्रेस अध्यक्ष के पोस्टर दिखाए।

बिहार में बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध मार्च निकाला। उन्होंने खरगे के खिलाफ नारे लगाए और कांग्रेस अध्यक्ष से माफी की मांग की। प्रदर्शन के दौरान खरगे की टिप्पणी का विरोध जताने के लिए प्रदर्शनकारियों ने उनका पुतला भी जलाया। कोलकाता में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों के हाथों में भाजपा के झंडे और खरगे का पुतला था। उन्होंने खरगे की टिप्पणी की निंदा करते हुए नारे लगाए और इस विवाद पर उनसे माफी की मांग की। कर्नाटक के बेंगलुरु में भाजपा नेताओं ने फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के बारे में खरगे की टिप्पणी के लिए उनसे माफी की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने विरोध कर रहे नेताओं को हिरासत में ले लिया। जम्मू में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसी तरह का विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के पोस्टर जलाए और उनके खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि खड़गे अपनी टिप्पणी वापस लें और प्रधानमंत्री के बारे में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए माफी मांगें। इस बीच तेलंगाना के एमजे मार्केट में भाजपा नेताओं ने भी विरोध प्रदर्शन किया। वे अन्य राज्यों के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर खड़गे के बयानों की निंदा कर रहे थे और कांग्रेस अध्यक्ष से माफी की मांग कर रहे थे।



खरगे के घर के पास भी प्रदर्शन

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कथित को लेकर दिल्ली भाजपा ने सोमवार को उनके आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया। जब प्रदर्शनकारियों ने सेना भवन गोल चक्कर से राजाजी मार्ग पर स्थित खरगे के आवास की ओर मार्च करने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से माफी की मांग की।

विपक्ष की रैली के दिन भाजपा उतरेगी मैदान में

विपक्षी इंडिया ब्लॉक एक नवंबर को बड़ी रैली करने की तैयारी कर रहा है। इसके जवाब में भारतीय जनता पार्टी भी उसी दिन से महीनेभर का अभियान शुरू करने जा रही है। इसके तहत बड़े राजनेता एक साथ अलग-अलग जगहों पर पदयात्राएं करेंगे। यह अभियान इंडिया ब्लॉक की प्रस्तावित रैली के जवाब में आयोजित किया जा रहा है। इंडिया ब्लॉक की यह बड़ी रैली एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होगी। इसका नाम 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रखा गया है।

पदयात्राओं में कौन-कौन शामिल होगा

भाजपा शासित राज्यों के बड़े मंत्री और मुख्यमंत्री देशभर में पदयात्राओं में हिस्सा लेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के भी कुछ कार्यक्रमों में शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 2 नवंबर को हैदराबाद में पदयात्रा में शामिल होने की संभावना है। वह 5 नवंबर को हरियाणा में भी पदयात्रा में हिस्सा ले सकते हैं।

सेना के लिए 2.12 लाख करोड़ के रक्षा सौदों को मिली मंजूरी

■ देश की सैन्य ताकत और बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

■ स्वदेशी सैन्य उत्पादों को मिलेगी प्राथमिकता

■ नई दिल्ली

वैश्विक चुनौतियों के बीच रक्षा क्षेत्र में देश की सैन्य ताकत बढ़ाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लगभग 2.12 लाख करोड़ रुपये के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

इस सैन्य और रणनीतिक संसाधनों में आधुनिक तोप प्रणाली, हेलीकॉप्टर, एयर डिफेंस सिस्टम, निगरानी उपकरण और लंबी दूरी तक हमला करने वाले ड्रोन शामिल हैं। इन प्रस्तावों का उद्देश्य तीनों सेनाओं की मारक क्षमता, निगरानी और हवाई सुरक्षा को मजबूत करना है। खास बात यह है कि कुल स्वीकृति में से लगभग 82 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योगों से की जाएगी। केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया नीति को भी इस कदम से और प्रोत्साहन मिलेगा।



सेना को मिलेंगे आधुनिक हथियार और ड्रोन सिस्टम

भारतीय सेना के लिए उच्च गतिशीलता वाले वाहन (हाई मोबिलिटी व्हीकल्स), स्वचालित ट्रैक किए गए गन सिस्टम (सेल्फ-प्रोपेल्ड ट्रैक्ड गन सिस्टम), गन शॉट रिस्पॉन्स सिस्टम, हल्के बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टर (लाइट मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर्स), बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वेरी शॉर्ट-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम) और प्लेटफॉर्म-आधारित काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम की खरीद संबंधी प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

महर्षि वाल्मीकि आश्रम में योगी ने की पूजा-अर्चना

■ कानपुर

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिठूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस दौरान दो महंतों ने पूजन कराया। लव-कुश आश्रम स्थित गुरुकुल के सात बटुकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया, जिससे आश्रम परिसर भक्तिमय हो गया।



मुख्यमंत्री ने आश्रम में स्थित उस प्राचीन शिवलिंग की भी पूजा की, जिसके बारे में मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि इसकी आराधना किया करते थे। इसके बाद उन्होंने सीता कुटिया में दर्शन किए और परिसर में स्थित प्राचीन पीलू के वृक्ष के भी दर्शन किए। आश्रम में पूजा-अर्चना और धार्मिक स्थलों के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री नानाराव पेशवा पार्क पहुंचे। यहां हुई जनसभा में उन्होंने क्षेत्र के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने आश्रम में संतों को सम्मानित भी किया। इस दौरान मंत्री राकेश सचान, स्थानीय विधायक अभिजीत सिंह सांगा समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पाक में सड़क हादसे में सात लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। यात्रियों से भरी गाड़ी खाई में गिरने से आग के गोले में तब्दील हो गई। 'रेस्क्यू 1122' ने अपने बयान में बताया कि यह दुर्घटना मूरी जिले में हुई।

ओरछा में रामराजा सरकार के दर्शन का समय बदला

ओरछा। ओरछा में प्रसिद्ध श्री रामराजा सरकार मंदिर में दर्शन और आरती की समय-सारणी में बदलाव किया गया है। मौसम में आए परिवर्तन को देखते हुए नई व्यवस्था मंगलवार 27 अक्टूबर से लागू की जाएगी। मंदिर परिसर की दीवार पर नई समय-सारणी प्रदर्शित भी कर दी गई है। सुबह की पारी में मंदिर के कपाट सुबह 9 बजे खुलेंगे। दोपहर 1 बजे राजभोग के साथ मंदिर के पट बंद कर दिए जाएंगे। संध्या की पारी में शाम को 7 बजे आरती के साथ मंदिर के पट दोबारा श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। रात 9:30 बजे रात्रि भोग (व्यारी) और शयन आरती के बाद भगवान को शयन कराया जाएगा, जिसके बाद कपाट बंद हो जाएंगे।

राहुल के काफिले में दुर्घटना की जांच करेगी एसआईटी

■ लखनऊ

सुलतानपुर में हुई सड़क दुर्घटना की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सोमवार को सुलतानपुर दौरे के दौरान उनके काफिले के पीछे चल रहे वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए डीजीपी राजीव कृष्ण के निर्देश पर यह कदम उठाया गया है।

डीजीपी ने दुर्घटना के वास्तविक कारणों, परिस्थितियों और संभावित लापरवाही की विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। गठित विशेष जांच (एसआईटी) दल की अध्यक्षता लखनऊ परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस करेंगे। सुलतानपुर के अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह और यातायात पुलिस उपाधीक्षक राम कृष्ण चतुर्वेदी को दल का सदस्य बनाया गया है।



पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर टकराईं गाड़ियां

सुल्तानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर राहुल गांधी के काफिले के साथ बड़ा हादसा हो गया। 91 किमी माइलस्टोन के पास काफिले की 5 गाड़ियां और एक एम्बुलेंस आपस में टकरा गईं। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। राहुल गांधी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। हादसे में पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी घायल हुए हैं। इसके अलावा, राहुल गांधी की सुरक्षा से जुड़े लोग भी घायल हुए हैं। वह लखनऊ से सुल्तानपुर जा रहे थे हालांकि, राहुल गांधी पूरी तरह सुरक्षित हैं।

अब चक्रवात अर्नब का कहर

■ नई दिल्ली

मौसम विभाग ने एक बार फिर से टेंशन भरा अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक 27 अक्टूबर को यूपी, दिल्ली, बिहार, ओडिशा समेत 25 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 95 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से आंधी चलने का अलर्ट है। वहीं, चक्रवात अर्नब का सबसे अधिक असर ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पूर्वी राज्यों में देखने को मिलेगा। कई इलाकों में इस खतरनाक आंधी के चलते बिजली बाधित हो सकती है। वहीं, इस चक्रवात का आक्रामक प्रभाव पूर्वी राज्यों बिहार और झारखंड में सबसे अधिक देखने को मिल सकता है।

उप्र में आज का मौसम

उप्र के गाजियाबाद, मेरठ, मोरादाबाद, गौतमबुद्ध नगर, शामली, मुजफ्फरनगर, मथुरा, आगरा, गौतमबुद्ध नगर, हमीरपुर, झांसी, ललितपुर, रायबरेली, मिर्जापुर, सोनभद्र, प्रतापगढ़, बांदा, फतेहपुर, कानपुर, इटावा, गाजीपुर, गोरखपुर, देवरिया और प्रयागराज में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है।

सौ प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली कारों का रास्ता साफ

नई दिल्ली। भारत में अब 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली कारों को बढ़ावा देने का रास्ता साफ हो गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में बदलाव कर ई-100 ईंधन को नियमों में शामिल कर लिया है। इस फैसले से वाहन कंपनियों को ई-100 और ई-85 जैसे ईंधन पर चलने वाली कारें बनाने और बाजार में उतारने के लिए स्पष्ट नियम मिलेंगे।

इस वर्ष और भव्य होगा अयोध्या का दीपोत्सव, तैयारियों पर मंथन



■ अयोध्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में दीपोत्सव-2026 को दिव्य, भव्य और गरिमामय बनाने के लिए अयोध्या में तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन को सुव्यवस्थित और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन संत-महात्माओं और जनप्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने तुलसी उद्यान भवन में पूजनीय साधु-संतों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर दीपोत्सव की तैयारियों पर चर्चा की।

बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और सुगम आवागमन को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। बैठक में स्वामी अवधेश कुमार दास (बड़ा भक्तमाल), गुरवीर सिंह सोढ़ी (ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा), महंत डॉ. भरत दास (उदासीन संगत आश्रम, रानोपाली), नंदराम दास महाराज (हनुमानगढ़ पट्टी), महंत रामदास (हनुमानगढ़, नाका), स्वामी अनंत पद्मनाभाचार्य (सुग्रीव किला), स्वामी सियाराम (हनुमत भवन), महंत सुरेश दास, राम लखन दास (दशरथ महल), महंत राय राम शंकर दास (प्रतिनिधि, दशरथ महल), महंत गिरीश दास (डांडिया मंदिर), महंत आशुतोष दास (कामधेनु आश्रम), शिवम दास (बेतिया मंदिर), डॉ. महेश दास, महंत हेमंत दास, महंत रामचरण दास (महंत पट्टी बसंतिया), ज्ञानी चरणजीत सिंह (गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड), महंत संदीप दास (उज्जैनिया पट्टी, हनुमानगढ़ी), राघवेंद्र दास, राघवाचार्य महाराज (प्रतिनिधि, रामलला सदन देवस्थान), महंत रामशरण दास (रंग महल), महापौर गिरीश पति त्रिपाठी और विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर मौजूद रहे।

वैश्विक पहचान बन चुका है अयोध्या का दीपोत्सव : बैठक में साधु-संतों ने कहा कि दीपोत्सव अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत और वैश्विक पहचान का प्रतीक बन चुका है। इस आयोजन को देखने के लिए देश-विदेश से लोग पहुंचते हैं।

कनाडा में गूंजा सनातन संस्कृति का जयघोष...नवंबर में मनाया जाता है 'हिंदू विरासत माह'

■ टोरंटो

भारत से हजारों किमी दूर कनाडा में भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं की मौजूदगी देखी जा सकती है। यहां मंदिरों में पूजा-अर्चना से लेकर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा, गणेशोत्सव, नवरात्रि के गरबा-डांडिया और होली तक के आयोजन भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक पहचान को कायम रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। कनाडा में नवंबर को प्रतिवर्ष 'हिंदू विरासत माह' के रूप में मनाया जाता है। इसके जरिए हिंदू समुदाय के योगदान और उसकी धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं को पहचान दी जाती है। कनाडा में लगभग 10 लाख हिंदू रहते हैं। टोरंटो से वैंकूवर तक फैले मंदिर धार्मिक गतिविधियों के केंद्र होने के साथ सामाजिक मेलजोल और सांस्कृतिक आयोजनों के महत्वपूर्ण स्थल भी हैं।



कनाडा की संसद ने 2022 में पारित किया था प्रस्ताव

2022 में कनाडा की संसद ने नवंबर को हिंदू विरासत माह के रूप में मनाने संबंधी प्रस्ताव पारित किया था। यह प्रस्ताव हिंदू सांसद चंद्र आर्य ने प्रस्तुत किया था। इसका उद्देश्य कनाडा के सामाजिक विकास में हिंदू समुदाय के योगदान को रेखांकित करना है। इस पहल से कनाडाई नागरिकों को हिंदू धर्म के इतिहास, दर्शन, जीवन-मूल्यों और परंपराओं से परिचित कराने का भी लक्ष्य रखा गया। नवंबर कार्यक्रमों के जरिए धार्मिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और समुदाय की उपलब्धियों को सामने लाया जाता है। कनाडा के शहरों में भारतीय त्योहार सामुदायिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं।

सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ रही नई पीढ़ी

गरबा-डांडिया और होली के कार्यक्रमों में भारतीय परिवारों के साथ नई पीढ़ी की भागीदारी देखने को मिलती है। मिसीसागा में रहने वाले कनाडाई हिंदू रौनक अग्रवाल के अनुसार, वहां हिंदू समुदाय मिल-जुलकर त्योहार मनाता है। ऐसे आयोजनों से बच्चों और युवाओं को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को समझने तथा उनसे जुड़ने का अवसर मिलता है। विदेश में रहने वाले भारतीयों पके सामने अपनी भाषा, परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की चुनौती रहती है।

30-31 अक्टूबर को अमित शाह की मौजूदगी में लखनपुर में होगी अहम बैठक

भाजपा ने घोषित किए प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य

■ 548 कार्यसमिति सदस्य, 30 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 134 विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल

■ सपा में शामिल हुए दातागंज के पूर्व विधायक सिनोद शाक्य का नाम भी

■ लखनऊ

भाजपा नेतृत्व ने बहुप्रतीक्षित प्रदेश कार्यसमिति-2026 के सदस्यों की सूची सोमवार शाम को जारी कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी सूची में 548 कार्यसमिति सदस्य, 30 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 134 विशेष आमंत्रित सदस्य (कुल-712) शामिल हैं। यह घोषणा 30 और 31 अक्टूबर को लखनऊ में होने वाली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से पहले की गई है। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इसमें मिशन-2027 के तहत संगठनात्मक तैयारियों और विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा होने की उम्मीद है। इसमें सात मुस्लिम नेताओं को जगह मिली है। इसमें आश्चर्यजनक नाम दातागंज के पूर्व विधायक सिनोद शाक्य का रहा है जो सोमवार सुबह ही सपा में शामिल हो चुके हैं।



स्थायी आमंत्रित सदस्यों में बड़े नेताओं के नाम

स्थायी आमंत्रित सदस्यों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के नाम शामिल हैं। इसके अलावा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा, कमलेश पासवान, जितिन प्रसाद और प्रो. एसपी सिंह बघेल समेत कई वरिष्ठ नेताओं को भी जगह दी गई है। संगठन से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, प्रो. तारिक मंसूर, राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी, हरीश द्विवेदी, राष्ट्रीय मंत्री डॉ. भोला सिंह, संगीता यादव, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य, अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर बासित अली का नाम है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष में ओमप्रकाश सिंह, विनय कटियार, डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय, डॉ. लक्ष्मीकान्त वाजपेयी, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेन्द्र सिंह चौधरी के नाम शामिल हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्रियों में हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा, कमलेश पासवान, कीर्तिवर्धन सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी का नाम है।

उप्र बोर्ड परीक्षा के लिए 7,526 प्रस्तावित केंद्रों की सूची जारी

■ प्रयागराज

माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों की सूची सार्वजनिक कर दी है। विद्यालयों की आधारभूत सूचनाओं के सत्यापन और अद्यतन के बाद ऑनलाइन प्रक्रिया से चयनित 7,526 प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों की सूची परिषद की वेबसाइट पर अपलोड की गई है। इसमें विद्यालयों को आवंटित विद्यार्थियों का विवरण भी शामिल है। सूची को डीएम की अध्यक्षता में गठित जनपदीय केंद्र निर्धारण समिति के परीक्षण और अनुमोदन के लिए जारी किया गया है।



राजकीय विद्यालयों के 862 केंद्र प्रस्तावित : बोर्ड परीक्षाओं के लिए सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रस्तावित 7,526 परीक्षा केंद्रों में 862 राजकीय विद्यालय, 3,276 अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय और 3,388 वित्तविहीन विद्यालय शामिल हैं। इस प्रकार तीनों श्रेणियों के विद्यालयों को मिलाकर परीक्षा केंद्रों का प्रस्तावित निर्धारण किया गया है। जिलावार प्रस्तावित केंद्रों की सूची में प्रयागराज में सर्वाधिक 269 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित हैं। इसके बाद आजमगढ़ में 232, गोरखपुर में 175, प्रतापगढ़ में 164, आगरा में 161, देवरिया में 160, सीतापुर में 150, बलिया में 149, हरदोई में 148 और खीरी में 143 केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं।

28 तक दर्ज करा सकेंगे आपत्तियां

सचिव भगवती सिंह के अनुसार ऑनलाइन चयनित परीक्षा केंद्रों के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति या शिकायत होने पर संबंधित छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य अथवा प्रबंधक निर्धारित प्रारूप में उचित कारण और साक्ष्य के साथ अपना प्रत्यावेदन परिषद के पोर्टल पर 28 अक्टूबर 2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त प्रत्यावेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

रुदवलिया विद्यालय बना ओवर आल चैम्पियन

न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में नौनिहालों ने दिखाई प्रतिभा

तुर्कपट्टी। फाजिलनगर विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय महुअवा कारखाना के परिसर में मंगलवार को परिषदीय विद्यालयों का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता उत्साह और खेल भावना के साथ सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में न्याय पंचायत के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।रुदावलिया विद्यालय ओवर आल चैम्पियन रहा।विभिन्न स्पधाओं के विजेता अब ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ गत वर्ष के ओवर आल विजेता रुदावलिया के अयान को बीईओ फाजिलनगर अमित कुमार,शिक्षक नेता विद्यासागर पाण्डेय एवं अविनाश शुक्ला ने संयुक्त रूप से मशाल सौंप कर किया किया। इसके बाद विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

प्राथमिक वर्ग की 50 मीटर बालिका दौड़ में रुदावलिया की अमृता एवं बालक वर्ग में इसी विद्यालय के आकाश प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक स्तर के ही 100 एवं 400 मीटर बालक दौड़ में भी रुदवालिया के आकाश ही



प्रथम रहे। 100 मीटर बालिका वर्ग की विजेता रुदावलिया की आंचल तो 400 मीटर बालिका दौड़ में गौराखोर की अंशिका ने पहला स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग के 100 मीटर दौड़ में रुदावलिया के रेहान एवं इसी विद्यालय के कुलदीप ने 200 एवं 600 मीटर के विजेता रहे जबकि गौराखोर के नैतिक ने 400 मीटर दौड़ जीत ली। जूनियर वर्ग की कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिताओं में रुदवालिया के बालक एवं बालिका अव्वल रहे जबकि गुरवलिया एवं गौराखोर के बालक एवं बालिका उपविजेता रहे। पुरस्कार वितरण समारोह में बीईओ ने कहा कि खेलकूद बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम है। इससे अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। विशिष्ट अतिथि अविनाश शुक्ला, विद्यासागर पाण्डेय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।आवश्यकता उन्हें उचित मंच और मार्गदर्शन देने की है, ताकि वे प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें। आयोजक नोडल शिक्षक दीपक सिंह,रामराज एवं खेल शिक्षक मंजूर आलम ने सभी अतिथियों,शिक्षकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वेदप्रकाश त्रिपाठी ने किया। इस दौरान शिक्षक नेता फरहद अली,अमर सिंह ब्लाक व्यायाम शिक्षक संदीप त्रिपाठी, रामकुवर प्रसाद,प्रियंका यादव, मधुलिका,प्रतिभा यादव,मनोज सिंह,चिंता यादव, रंजू कुशवाहा, अत्रिमुनि मिश्र आदि मौजूद रहे।

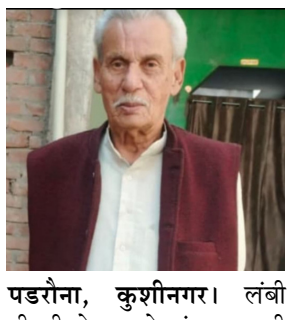
दिव्य शोभायात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

पडरौना, कुशीनगर। विशुनपुरा विकासखंड के सिरसिया दीक्षित गाँव में मंगलवार को भव्य शोभायात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथावाचक आचार्य बालकृष्ण दीक्षित जी महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश यात्रा को गति दी। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। देवी स्वरूपी कन्याओं ने सिर पर कलश रखकर शोभायात्रा को भव्य रूप दिया। इससे पूरा क्षेत्र भक्ति की रंग में रंग गया। श्रद्धालुओं ने जय श्री राम, हरिनाम संकीर्तन का उद्घोष किया जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। 27 अक्टूबर से सिरसिया दीक्षित में



शुरू हुई श्रीमद्भागवत कथा का समापन दो नवंबर को पूर्णाहुति के साथ होना सुनिश्चित है। मालूम हो कि आचार्य बालकृष्ण महाराज की मुखारबिंद से कथा का रसपान होना है। मुख्य यजमान घनश्याम दीक्षित व श्रीमती सुशीला देवी, कथा आयोजक प्रमोद कुमार, कृष्ण कुमार, प्रवीण कुमार, मुंबई से चलकर आए अभिनेता प्रांजल दीक्षित ने आगंतुकों के प्रति आभार जताया। कथावाचक आचार्य ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा जन्म-जन्मांतर से संचित पापों को समाप्त करने का कार्य करती है। ये क्षेत्रवासियों के लिए अपार हर्ष का विषय है। सभी इस कथा में शामिल होकर पुण्य के भागी बन सकते हैं।

पंचतत्व में विलीन हुए वरिष्ठ अधिवक्ता देवेंद्र पति त्रिपाठी, जनपद में शोक की लहर



पडरौना, कुशीनगर। लंबी बीमारी के चलते मंगलवार की तड़के सुबह 81 वर्षीय अधिवक्ता देवेंद्र पति त्रिपाठी का निधन हो गया। उनका इलाज गोरखपुर स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा था। तड़के सुबह उनकी हालत बिगड़ी और अपने पडरौना स्थित निज निवास पर ही उन्होंने अंतिम सांस ली।

श्री त्रिपाठी जनपद के लोकप्रिय अधिवक्ता थे। आम जनों के हक की लड़ाई लड़ते हुए उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे देवेंद्र पति की स्थिति धीरे-धीरे बिगड़ती गयी और अंततः मंगलवार को उनका निधन हुआ। उनका अंतिम संस्कार बांसी स्थित मुक्ति धाम पर हुआ। उनके ज्येष्ठ सुपुत्र जितेश पति त्रिपाठी ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान माहौल भावुक हो गया और सबकी आँखे नम हो गईं। देवेंद्र पति त्रिपाठी के निधन से जनपद में शोक की लहर दौड़ पड़ी। पडरौना सदर विधायक मनीष जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल, डॉक्टर राजीव मिश्रा, आलोक चौबे, मानस मिश्रा, सदाशिव मणि त्रिपाठी, अभयानंद दीक्षित, राकेश मिश्रा, सफीउल्लाह खान समेत तमाम अधिवक्ताओं ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

अज्ञात कारणों से लगी आग, करीब तीन बीघा गन्ने की फसल जले

तुर्कपट्टी (कुशीनगर)। मंगलवार को दोपहर 2 बजे के करीब तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के ग्राम सभा खिरियां में अज्ञात कारणों से लगी आग में करीब तीन बीघा गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। आग की चपेट में आने से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। घटना के बाद प्रभावित किसानों चेहरे पर मायूसी छा गई है। ग्रामीणों के मुताबिक, आग में भानू प्रताप सिंह की करीब 2 बीघा गन्ना, भुआल यादव का 15 कट्ठा गन्ने की फसल के साथ बृजराज सिंह, पिंटू सिंह, नंद किशोर सिंह और नन्हका सिंह आदि की खरहुल भी जल गई। ग्रामीणों ने बताया कि खरहुल का उपयोग फूस का घर बनाने के लिए किया जाता है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका



है। घटना के बाद प्रभावित किसानों को नुकसान उठाना पड़ा है। आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं होने से ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। इस संबंध में हल्का लेखपाल यशपाल सिंह ने बताया कि मैं मौके पर पहुँच रहा हूँ। नुकसान का आकलन कर उच्च अधिकारी को अवगत कराया जाएगा।

सख्ती में कानून का सम्मान, सरलता में जनविश्वास की झलकः आईपीएस केशव कुमार की कार्यशैली



शिवाकांत पाण्डेय

वर्दी का रौब नहीं, व्यवहार की सहजता; कानून के प्रति सजग प्रहरी के रूप में कुशीनगर में स्थापित हो रहा नया प्रतिमान। पुलिस की वर्दी केवल अधिकार और शक्ति का प्रतीक नहीं होती, बल्कि यह कानून के प्रति अटूट जिम्मेदारी, जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता और समाज में सुरक्षा का जीवंत विश्वास कायम करने का माध्यम होती है। जब किसी पुलिस अधिकारी की कार्यशैली में सख्ती के साथ सरलता, अनुशासन के साथ संवेदनशीलता और कानून के प्रति सजगता के साथ आमजन की व्यथा सुनने का भाव दिखाई देता है, तो उसकी चर्चा स्वाभाविक रूप से जनमानस के बीच एक नया विश्वास जगाती है। जनपद में पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की कार्यशैली को लेकर उभरी सकारात्मक चचाएं आज पुलिस और जनता के बीच के प्रगाढ़ होते संबंधों के इसी नए अध्याय को रेखांकित कर रही हैं।

सरयू नदी में तैरता मिला 18 वर्षीय युवक का शव, हत्या की आशंका से हड़कंप- मची सनसनी



गोंडा। परसपुर थाना क्षेत्र के गौघटा बंधिया गांव के पास सरयू नदी में मंगलवार सुबह 18 वर्षीय युवक का शव उतराता मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के दक्षिण पुरवा सरैया गांव निवासी विवेक (18) पुत्र सुरेश के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फोन आया और घर से निकल गया, फिर नहीं लौटा

परिजनों के मुताबिक रविवार दोपहर विवेक के मोबाइल पर किसी अज्ञात नंबर से फोन आया था। फोन पर बात करने के बाद वह घर से यह कहकर निकला कि थोड़ी देर में आ रहा हूं। लेकिन देर शाम तक जब वह नहीं लौटा तो परिजनों ने रिश्तेदारों और गांव में तलाश की। कोई सुराग न मिलने से परिवार चिंतित था। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने सरयू नदी में शव तैरता देखा तो गांव में खबर फैल गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान विवेक के रूप में की।

हत्या के प्रयास में 10 हजार के ईनामिया आरोपी को अवैध पिस्टल, 41 हजार रुपये के साथ पुलिस ने दबोचा

शिवाकांत पाण्डेय

कुशीनगर। सेवरही थाना पुलिस, स्वाट टीम और तरयासुजान पुलिस की संयुक्त टीम ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान आदर्श सिंह उर्फ बंटी (23 वर्ष), निवासी जंगली पट्टी, थाना सेवरही के रूप में हुई है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बताई जा रही .32 बोर की अवैध पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, 41 हजार रुपये नकद और एक एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किया गया है।

रेलवे स्टेशन पर पुरानी रंजिश में गोली मारने का आरोप

पुलिस के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 की रात करीब 10:30



बजे तमकुही रोड रेलवे स्टेशन पर पुरानी रंजिश को लेकर राजन शर्मा निवासी घघवा जगदीश, थाना तरयासुजान पर गोली चलाने का आरोप है। इस मामले में जीआरपी गोरखपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी आदर्श सिंह उर्फ बंटी इसी मामले में वांछित था और उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दबोचा

पुलिस के मुताबिक, 27 अक्टूबर को बिंटोलिया तिराहे से शिवाघाट मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते पर संयुक्त टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। बरामदगी के आधार पर सेवरही थाने में शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25 के तहत एक और मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक *कार्रवाई की जा रही है।

आरोपी पर पहले से कई मुकदमे दर्ज

पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, पशु क्रूरता और मारपीट समेत विभिन्न मामलों में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसके आपराधिक इतिहास में कुल 12 मुकदमों का उल्लेख किया है।

गिरफ्तार करने वाली टीम

थानाध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा, स्वाट प्रभारी उपनिरीक्षक दीपक सिंह, सेवरही पुलिस और तरयासुजान पुलिस की संयुक्त टीम ने की पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

करनैलगंज में चोरों का आतंकः एक ही रात में 2 लाख की दो भैंसें पिकअप से पार, पुलिस बोली- दिल थाम के बैठिए

करनैलगंज, गोंडा। कोतवाली क्षेत्र में चोर बेखौफ हो गए हैं और आये दिन ताबड़तोड़ लाखों की चोरियों की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। चोरी की गंभीर वारदातों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला चचरी चौकी क्षेत्र के ग्राम घरकुंइया का है, जहां 24-25 अक्टूबर की रात अज्ञात चोरों ने दो किसानों की करीब दो लाख रुपये कीमत की दो भैंसें खोलकर पिकअप पर लाद लीं और फरार हो गए। पीड़िता निर्मला पत्नी राजेन्द्र कश्यप निवासी घरकुइया की तहरीर पर थाना करनैलगंज में बीएनएस की धाराओं के तहत अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। विवेचना की जिम्मेदारी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अंकित सिंह को सौंपी गई है। एफआईआर के अनुसार वारदात रात करीब 2 बजे घर के बाहर बंधी भैंस को पिकअप से ले जाने की है। इसी रात गांव के ही माधवराज यादव की भैंस भी चोरी हुई है।

अनाज लदे ट्रक में भभक उठी चिंगारी, बीच सड़क धूं-धूं कर जला राशन



मेहदीगंज, कुशीनगर। रामकोला थाना क्षेत्र के मेहदीगंज बाजार में मंगलवार की शाम एक बड़ा हादसा हुआ। बाजार में बीच सड़क पर एक चलती ट्रक आगजनी का शिकार हो गई। ट्रक पर भारी मात्रा में राशन से भरी बोरियां लदी थीं जो देखते ही देखते भभक कर जल गईं। घटना का स्पष्ट कारण अभी पता नहीं चल सका है। प्रत्यक्षदर्शियों में उपाध्याय छपरा के ग्राम प्रधान गुड्डू उपाध्याय ने कहा कि ये घटना औचक हुई। जब तक लोग समझ पाते तब तक ट्रक आग की चपेट में आ गया और अनाज लदी बोरियां जल गईं।

विभाग को तत्काल इसकी सूचना दी गई। पुलिस के साथ अग्निशमन विभाग के लोग जब तक पहुँचे तब तक कई बोरी अनाज जलकर खाक हो चुकी थी। स्थानीय युवक नितेश मद्धेशिया, दीपक मद्धेशिया, नितेश द्विवेदी, अनुराग उपाध्याय आदि ने भी अपने सहयोगियों के साथ आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन उनके प्रयास असफल रहे।

ननद ने ही 3 लाख में कराई थी भाभी थी हत्या, शूटर पुलिस मुठभेड़ मे गिरफ्तार

सीएचसी के सरकारी आवास मे मिली थी गर्भवती गुड़िया की लाश

विनय कुमार गुप्ता।

रुद्रपुर देवरिया। जिस हत्याकांड ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया था, उसका सबसे बड़ा राज मंगलवार भोर में खुल गया। रुद्रपुर पुलिस ने अवस्थी चौराहा पर हुई मुठभेड़ में उस शूटर को दबोच लिया, जिसने सीएचसी के सरकारी क्वार्टर की तीसरी मंजिल पर गर्भवती महिला की गला दबाकर हत्या की थी। पकड़ा गया शूटर रामआशीष यादव,पुत्र स्व रमाकांत छपरा थाना गगहा गोरखपुर का रहने वाला है। वह अपने साथी नरेश के साथ बाइक पर 50 हजार रुपये का बकाया लेने जा रहा था, तभी अवस्थी चौराहे पर पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की। बाइक सवारों ने पुलिस पर फायर किया। पुलिस ने भी ट्रेंड तरीके से जवाब दिया और रामआशीष के पैर में गोली लगी। वह वहीं गिर पड़ा। नरेश अंधेरे में भाग निकला।

पूछताछ में जो कहानी सामने आई, उसने पुलिस को भी चौंका दिया।: रामआशीष ने बताया – "हत्या की डील 3 लाख



में हुई थी। सत्यप्रकाश यादव बीच में था। मृतका के ससुराल वालों ने सुपारी दी थी। ढाई लाख एडवांस मिल गया था। 24 अक्टूबर की रात मैं, नरेश और सत्यप्रकाश सीएचसी परिसर गए। सत्यप्रकाश और परिजन नीचे रेकी कर रहे थे, मैं और नरेश ऊपर क्वार्टर में घुसे। रस्सी से गला दबाया, फिर हथौड़े से सिर पर वार किया और भाग गए।"

वजीरगंज में जेसीबी का कहरः बाइक सवार दो सगे भाइयों को मारी टक्कर, दोनों की हालत गंभीर, मेडिकल कॉलेज रेफर

गोंडा। वजीरगंज थाना क्षेत्र में सोमवार शाम अयोध्या-गोंडा मार्ग पर टिकरी मोड़ के पास तेज रफ्तार जेसीबी ने बाइक सवार दो सगे भाइयों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मायाबाजार निवासी शशांक दुबे (15) और प्रशांत दुबे (20) पुत्रगण हरिश्चंद्र दुबे सोमवार शाम बाइक से अपनी बहन के घर गोंडा जा रहे थे। जैसे ही वे टिकरी मोड़ के पास पहुंचे, नवाबगंज की ओर जा रही अनियंत्रित जेसीबी ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों भाई सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीएचसी आवास में गर्भवती की सुपारी किलिंग ने खोली सुरक्षा की पोल

सुरक्षा गार्डो के रहते आवास मे घुसे हत्यारे, बाहरी लोगों का अनावश्यक प्रवेश

विनय कुमार गुप्ता। रुद्रपुर देवरिया। रुद्रपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तीसरी मंजिल पर स्थित सरकारी आवास में गर्भवती महिला गुड़िया की जिस तरह बाहरी सुपारी किलरों ने घुसकर हत्या कर दी, उसने स्वास्थ्य विभाग की सुरक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। चर्चा आम है कि रुद्रपुर सीएचसी में तैनात कर्मचारियों के नाम पर आवंटित आवासों में उनके रिश्तेदार, और बाहरी लोग महीनों से रह रहे हैं। मृतका गुड़िया खुद अपनी ननद स्टाफ नर्स पूर्णिमा के क्वार्टर में रह रही थी। नियम कहता है कि सरकारी आवास केवल तैनात कर्मचारी के लिए है, लेकिन यहाँ तो पूरा परिवार शिफ्ट हो रहा है। सीएचसी मे 24 घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात है। सवाल है – 24 अक्टूबर की रात हत्यारे, बाइक से, हथौड़ा और रस्सी लेकर तीसरी मंजिल तक कैसे पहुंच गए। क्या रात में आने-जाने वालों का कोई हिसाब रखा जाता हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सीएचसी परिसर के अंदर शाम ढलते ही बाहरी गाड़िया खड़ी होने लगती जब मरीजों के तीमारदारों पर भी पाबंदी है, तो रात में अनजान लोगों का जमावड़ा कैसे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहाँ रोज सैकड़ों गर्भवती महिलाएं, बच्चे और गंभीर मरीज आते हैं, वहाँ अगर सुपारी किलर घुसकर हत्या कर सकते हैं, तो कल किसी मरीज के साथ भी अनहोनी हो सकती है। सुरक्षा के सवालों पर स्वास्थ्य अधीक्षक डॉक्टर बृजवासी सिंह ने बताया कि सीएचसी पर चार सुरक्षा गार्ड नियुक्त हैं जो 24 घंटे सुरक्षा मे लगे हैं।

अतुल सिंह के जन्मदिन पर किसानों को मिला तोहफा, 206 किसानों में बांटे सरसों और सल्फर के बीज

गोंडा/कर्नलगंज। कर्नलगंज कस्बे में स्थित गौतम बीज भंडार पर मंगलवार को युवा समाजसेवी अतुल सिंह का जन्मदिन समाजसेवा के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर किसानों के लिए बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कृषि रक्षा अधिकारी द्वारा 100 किसानों को सरसों और सल्फर तथा 106 किसानों को सरसों के बीज वितरित किए गए। इस तरह कुल 206 किसानों को उन्नत किस्म के बीजों का लाभ मिला। बीज पाकर किसानों में खासा उत्साह देखा गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर सुनील सिंह गौतम, वशिष्ठ मौर्य सहित कई किसान व गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजक अतुल सिंह ने कहा कि किसानों की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है, इसलिए जन्मदिन के अवसर पर अन्नदाताओं के साथ खुशी साझा करना सबसे सार्थक पहल है।

गोंडा का सबसे बदहाल नलकूपः इटियाथोक में बोर्ड पर अफसरों के नंबर, जमीन पर गोबर और सन्नाटा

इटियाथोक, गोण्डा। योगी सरकार किसानों को मुफ्त पानी देने का दावा करती है, लेकिन गोण्डा जिले के इटियाथोक ब्लॉक में इस दावे की हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। यहां का एक सरकारी नलकूप सिस्टम की लापरवाही का जीता-जागता नमूना बन गया है। मामला विकास खंड इटियाथोक के ग्राम विशुनपुर संगम में स्थित नलकूप संख्या-1760 का है।

मौके पर पहुंचने पर नलकूप का पंप हाउस खंडहर में तब्दील मिला। पंप हाउस के दोनों दरवाजे 24 घंटे खुले रहते हैं। अंदर की तस्वीर सबसे ज्यादा शर्मनाक है। फर्श पर गोबर, गुटखा-बीड़ी के खाली पाउच, सूखे पत्ते और कचरे का अंबार लगा है। बिजली के बोर्ड खुले पड़े हैं और तार झूल रहे हैं। लाखों रुपये की मोटर जंग खा रही है और चोरी का भी खतरा बना हुआ है।

प्रयागराज जा रही गांजे की खेप छत्तीसगढ़ में पकड़ी, 7 तस्कर गिरफ्तार



इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम

प्रयागराज। ऑपरेशन निश्चय के तहत सिमगा पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरोह का पदार्फाश किया है। ओडिशा से प्रयागराज ले जाई जा रही 30 किलो 430 ग्राम गांजे की खेप के साथ 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से 2 कार, 6 मोबाइल और गांजा मिलाकर कुल 25.41 लाख का माल जब्त हुआ है।एसपी गौरव राय ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सफेद स्विफ्ट कार में गांजा भरकर प्रयागराज ले जाया जा रहा है। तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए आगे पायलट कार लगा रखी थी, जो रास्ते की निगरानी कर रही थी।सूचना पर सिमगा ओवरब्रिज और एनएच-130 पर नाकेबंदी की गई। पुलिस को देख दोनों कारों ने भागने की कोशिश की। पीछा करने पर दामाखेड़ा में खुशी वाटिका के पास स्विफ्ट कार डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर सातों को पकड़ लिया।जप्त गांजे की कीमत 15.21 लाख रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई महासमुंद और बिलासपुर पुलिस के समन्वय से की गई।गिरफ्तार सभी आरोपी प्रयागराज के हैं। इनमें विनीत कुमार भारती, करन कनौजिया, सुनील कुमार भारती, सुखलेन्द्र कुमार नट, राजेंद्र गुप्ता निवासी छतहरा थाना लालापुर और शिवशंकर बिन्द, अनिल कुमार बिन्द निवासी पवरी थाना घूरपुर शामिल हैं।पुलिस के अनुसार एक आरोपी पत्रकार के सहायक के रूप में काम करता था और पहचान का फायदा उठाता था। थाना सिमगा में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अब मुख्य सप्लायर और खरीदारों की तलाश में जुटी है।

भीटेश्वर धाम दुबहा में भागवत कथा का भव्य आगाज - डॉ. अरुणाचार्य के मुख से बहेगी 7 दिन अमृत धारा

इंडिपेंडेंट भारत लालापुर/प्रयागराज राहुल द्विवेदी

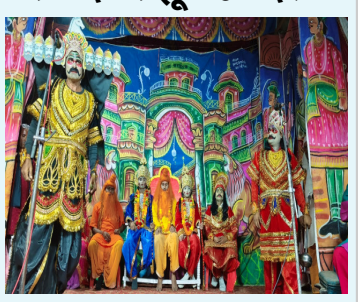


प्रयागराज। बारा तहसील के दुबहा स्थित भीटेश्वर धाम सरकार प्रांगण में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का दिव्य शुभारंभ हो गया। मंगलवार सुबह निकली भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बन गया।हनुमान मंदिर दुबहा से शुरू हुई यात्रा बिनौरी और दुबहा गांव का भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंची। आगे बैंड-बाजे, पीछे ढोल-नगाड़े और शंखध्वनि के बीच सैकड़ों माताओं-बहनों ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में भाग लिया। राधे-राधे के जयकारों से पूरा आसमान गूंज उठा। ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया।27 अक्टूबर से 03 नवंबर तक चलने वाली इस कथा में प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से कथा होगी। कथा व्यास देश के सुप्रसिद्ध भागवताचार्य डॉ. अरुणाचार्य जी महाराज हैं। उनके मुखारविंद से 7 दिन तक दुबहा में भागवत अमृत की वर्षा होगी। आयोजन के मुख्य सहयोगी संत आशीष ब्रह्मचारी जी महाराज ने कहा कि भागवत कथा सुनने से पाप नष्ट होते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। समिति ने भक्तों के लिए पंडाल, शुद्ध पेयजल, भंडारा और सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की है। दुबहा, बिनौरी, लालापुर, हिनौता सहित 20 गांवों के ग्रामीण इसके निवेदक हैं। इस दौरान पारस त्रिपाठी, गोपाल मिश्रा, अनिल पांडे, राजदेव द्विवेदी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

समाचार

सेहुंडा की रामलीला में टूटा शिव धनुष - परशुराम-लक्ष्मण संवाद पर झूम उठे दर्शक

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। जसरा विकास खंड के सेहुंडा गांव में चल रही रामलीला में बीती रात धनुष भंग लीला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राम-लक्ष्मण को जनकपुर में देखकर दर्शक स्तब्ध रह गए।लीला की शुरूआत शतानंद जी के आगमन से हुई। मुनि विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण जनकपुर पहुंचे। रंगभूमि में जनक दरबार सजा था, जहां देश-विदेश के राजाओं का जमावड़ा लगा था। लंका से ब्राह्मण वेश में रावण, शोणितपुर से बाणासुर सहित काशी, मगध, मिथिला और सात समंदर पार के राजा मुकुट और चमचमाती तलवारों के साथ दरबार में मौजूद थे।सभी राजाओं ने बारी-बारी से शिव धनुष उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी अजगव को हिला तक नहीं सका। दरबार में मायूसी छा गई। तभी राजा जनक के मुख से निकला, "वीर विहीन मही मैं जानी।" यह सुनते ही लक्ष्मण क्रोधित हो उठे। गुरु विश्वामित्र के इशारे पर श्रीराम उठे। राम ने शिव धनुष को प्रणाम किया और बाएं हाथ से उठाकर प्रत्यंचा खींची। तेज आवाज के साथ धनुष टूट गया। पूरा पंडाल सियावर रामचंद्र की जय से गूंज उठा। सीता जी ने लजाते हुए राम के गले में जयमाला डाल दी।तभी हाथ में फरसा लिए भगवान परशुराम का क्रोधित प्रवेश हुआ। उन्हें देख सभी राजा दुबक गए, लेकिन लक्ष्मण सीना ताने खड़े रहे। इसके बाद करीब 30 मिनट तक परशुराम-लक्ष्मण के बीच तीखा संवाद चला। परशुराम के क्रोध और लक्ष्मण के व्यंग्य पर दर्शक तालियां बजाते रहे। अंत में श्रीराम के विनम्र वचनों से परशुराम शांत हुए और आशीर्वाद देकर चले गए। देर रात तक हजारों ग्रामीण रामलीला का आनंद लेते रहे।

तीन पुलिस कर्मियों पर रुपयें हथियाने का आरोप, विभागीय कार्रवाई में तीनों हुए निलंबित

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नरेट में भ्रष्टाचार में शामिल तीन दरोगा सस्पेंड हुए हैं। नैनी थाने में गिरफ्तार रीवा निवासी विपिन कुमार पाठक और आकाश सिंह से 6.55 लाख रुपये मिलने की बात सामने आई, जबकि मुकदमे में सिर्फ 87,500 रुपये की बरामदगी दर्ज की गई। मामले में अरैल चौकी प्रभारी एसआई विक्की गुप्त, कांशीराम चौकी प्रभारी एसआई रामानंद विश्वकर्मा एवं कारागार चौकी प्रभारी एसआई नीलेश कुमार को सस्पेंड किया गया है। आरोपियों ने पुलिस पर फर्जी बरामदगी दिखाने और रुपये हड़पने का आरोप लगाया था। पंद्रह अक्टूबर को माननीय न्यायालय ने रिमांड अर्जी खारिज कर मामले की जांच के निर्देश दिए थे। ऊढ यमुनानगर जोन विवेक चंद्र यादव ने निलंबन की पुष्टि की है।

सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर बने संतोष सिंह - SP और CO ने लगाया स्टार - लालापुर थाने में दिखाया था दम

इंडिपेंडेंट भारत लालापुर/प्रयागराज राहुल द्विवेदी



प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस के दमदार सब इंस्पेक्टर संतोष सिंह को प्रमोशन मिल गया है। शासन से प्रमोशन लिस्ट जारी होने के बाद उन्हें सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नत किया गया है। प्रमोशन के बाद एसपी दीपक भूकर और सीओ आशुतोष मिश्रा ने उनके कंधे पर स्टार लगाकर बधाई और शुभकामनाएं दीं।संतोष सिंह प्रयागराज में लालापुर थाना प्रभारी के रूप में तैनात रह चुके हैं। लालापुर में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को लेकर बेहतर कार्य किया था। जनता से बेहतर संवाद और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के कारण वह क्षेत्र में काफी लोकप्रिय रहे हैं।बताया जाता है कि संतोष सिंह एक तेज-तर्रार, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। ड्यूटी के प्रति उनकी सजगता की हमेशा सराहना होती रही है। रात हो या दिन, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचना उनकी पहचान है। इसी मेहनत और लगन का परिणाम है कि विभाग ने उन्हें इंस्पेक्टर के पद पर प्रमोशन दिया है।एसपी दीपक भूकर ने कहा कि प्रमोशन के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है। उम्मीद है कि संतोष सिंह आगे भी इसी तरह जनता की सेवा करते रहेंगे। सीओ आशुतोष मिश्रा ने भी उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।प्रमोशन की खबर मिलते ही थाने में खुशी का माहौल है। सहयोगियों ने फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत किया। सोशल मीडिया पर भी बधाई संदेशों का तांता लगा है।संतोष सिंह ने प्रमोशन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का आभार जताया और कहा कि वह आगे भी पूरी निष्ठा से ड्यूटी निभाते रहेंगे।

एसडीएम बारा ने आज सुजावन देव घाट का किया निरीक्षण



प्रयागराज। यमुनापार के प्रसिद्ध सुजावन देव धाम में भाई दूज के अवसर पर लगने वाले ऐतिहासिक यमद्वितीया मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मेले से पहले व्यवस्थाओं को परखने के लिए उपजिलाधिकारी बारा अर्पित कुमार ने सोमवार को सुजावन देव मंदिर यमुना घाट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अर्पित कुमार ने सबसे पहले सुजावन देव महादेव जी का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने पूरे मंदिर परिसर और यमुना घाट का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने घाट पर मौजूद गंदगी को देखकर नाराजगी जताई और तत्काल सफाई कर्मचारियों को घाट की साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि यमद्वितीया मेला इस क्षेत्र का सबसे बड़ा मेला है, जिसमें लाखों श्रद्धालु यमुना में स्नान करने और सुजावन देव महादेव के दर्शन करने आते हैं। मेले से पहले घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और मेला क्षेत्र की समुचित साफ-सफाई हर हाल में पूरी कर ली जाएगी। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

बाबा तिवारी की माताजी की तेरहवीं में शामिल हुए आचार्य हरि कृष्ण शुक्ल, पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। मेजा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी एवं जनसेवी बाबा तिवारी के आवास पर आयोजित तेरहवीं संस्कार में राष्ट्रऋषि आचार्य हरि कृष्ण शुक्ल शामिल हुए। उन्होंने दिवंगत माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।आचार्य हरि कृष्ण शुक्ल ने माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि माँ इस सृष्टि में सबसे बड़ी शक्ति है। माँ के संस्कार ही परिवार को जोड़कर रखते हैं। उनका आशीर्वाद सदैव बना रहता है। इस अवसर पर यमुनापार के कई सम्मानित लोग, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। तेरहवीं भोज में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम के बाद उपस्थित जनों ने आचार्य हरि कृष्ण शुक्ल से आशीर्वाद लिया। आचार्य जी ने सभी को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद दिया। बाबा तिवारी ने कहा कि इस दुख की घड़ी में जो लोग उनके साथ खड़े हैं, वे उनके परिवार के समान हैं। उन्होंने आचार्य जी सहित सभी आगंतुकों का आभार जताया। अंत में ॐ शांति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गोहत्या पर रोक और गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग तेज - प्रयागराज में संतों और अधिवक्ताओं ने किया मंथन

इंडिपेंडेंट भारत जिला संवाददाता प्रयागराज बालेंद्र कुमार बलराम



प्रयागराज। गोहत्या पूर्णतः बंद कराने और गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए चल रहे गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत सोमवार को प्रयागराज के होटल मिलेनियम इन में संत-अधिवक्ता संवाद आयोजित हुआ।कार्यक्रम में संत समाज और इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं ने एक मंच पर आकर गो रक्षा के लिए हुंकार भरी। वक्ताओं ने कहा कि गोमाता भारतीय संस्कृति की आत्मा है और उसकी रक्षा के लिए ठोस कानून जरूरी है।आयोजकों ने बताया कि अब तक पूरे देश में 20 करोड़ से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर कर अभियान का समर्थन किया है। अब 51 करोड़ हस्ताक्षरों का लक्ष्य रखा गया है। अभियान की प्रमुख मांगें गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध के लिए केंद्रीय कानून, गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करना, गो मंत्रालय का गठन और गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना है।14 दिसंबर 2026 को लखनऊ में राज्यस्तरीय ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें प्रदेश भर से संत और न्यायिक जगत के लोग शामिल होंगे।संवाद में पूज्य अच्युतानंद सरस्वती महाराज, गोपेश बाबा महाराज, न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव, बार एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. सी.पी. उपाध्याय, महासचिव संतोष मिश्रा सहित कई अधिवक्ता और गौसेवक मौजूद रहे।आयोजकों ने लोगों से ँ३३स्रः//४२ेल्लू'ङ्म४ पर वोट फॉर गौ माता के जरिए डिजिटल समर्थन देने की अपील की।

घूरपुर पुलिस की तत्परता, दो घंटे में गुमशुदा लड़की बरामद



प्रयागराज। घूरपुर पुलिस ने एक बार फिर अपनी मानवीय और त्वरित कार्यशैली से मिसाल पेश की है। मानसिक रूप से कमजोर गुमशुदा युवती को पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज होने के महज दो घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है और पुलिस की जमकर सराहना की है। मामला थाना घूरपुर के करमा चकिया गांव का है। दिनांक 26.10.2026 को दोपहर 12:30 बजे राहुल भारतीय की बहन तमन्ना उर्फ शिवान्ती पुत्री स्व० तिलकधारी भारतीय बिना बताए घर से कहीं चली गई। तमन्ना की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती। परिवार पहले से ही दहशत में था, क्योंकि कुछ समय पूर्व उनके पिता की हत्या हो चुकी है। इस घटना के बाद से पूरा परिवार डरा-सहमा रहता है। बेटी के अचानक गायब होने से परिवार की चिंता और बढ़ गई। परिजन राहुल भारतीय ने थक-हारकर थाना घूरपुर में प्रार्थना पत्र देकर बहन की गुमशुदगी की सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष घूरपुर हरकेश सिंह ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी अपने उच्चाधिकारियों को दी।

बहुजन आंदोलन के सच्चे सिपाही सुग्रीव भारतीय का निधन, कांटी में शोक की लहर

छात्र जीवन से कांशीराम साहब के मिशन से जुड़े, अंतिम सांस तक नहीं छोड़ा मिशन



प्रयागराज। यमुनापार के कांटी क्षेत्र के बहुजन समाज के सशक्त आवाज, मिशनरी साथी सुग्रीव भारतीय जी अब हमारे बीच नहीं रहे। रात सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद स्वरूपरानी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में बहुजन समाज और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले साथियों में गहरा शोक है।

सुग्रीव भारतीय का जीवन संघर्ष और मिशन को समर्पित एक मिसाल था। वर्ष 1983 में जब मान्यवर कांशीराम साहब बहुजन समाज को जगाने के लिए बामसेफ के मिशनरी अभियान चला रहे थे, तब छात्र जीवन से ही सुग्रीव जी उस कारवां से जुड़ गए। उन्होंने गांव-गांव, गली-गली जाकर अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ नुक्कड़ सभाएं और चौपाल लगाकर लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया। वह कहते थे कि गुलामी की जंजीरें तभी टूटेंगी जब समाज अंधविश्वास से मुक्त होगा।

उन्होंने समाज में एक नई क्रांति की शुरूआत की। उन्होंने ब्राह्मणवादी रीति-रिवाजों को छोड़कर बौद्ध धम्म के रीति-रिवाज के साथ शादी-विवाह कराने पर जोर दिया। जब समाज में बौद्ध आचार्य और पंडितों की कमी हुई तो वे स्वयं ही आगे आए और सैकड़ों गरीब, शोषित परिवारों की शादियां बौद्ध रीति से संपन्न कराईं। उनका यह कदम सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक बन गया।

परिवार भूमिहीन होने के कारण जीवन में आर्थिक तंगी हमेशा रही। मिशन चलाने और परिवार चलाने के बीच जब अड़चनें आईं तो उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने बढ़ई का कार्य शुरू कर दिया। दिन में पसीना बहाकर परिवार पालते और शाम को साइकिल उठाकर मिशन की अलख जगाने निकल पड़ते।

जयंती पर हुए वाल्मीकि प्राकट्योत्सव समारोह में बोले उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

महर्षि वाल्मीकि के आदर्श भारतीय संस्कृति की धरोहर

- महर्षि वाल्मीकि के जीवन एवं कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर किया अवलोकन

■ लखनऊ

आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर हुए वाल्मीकि प्राकट्योत्सव समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने महर्षि वाल्मीकि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करते हुए भारतीय संस्कृति, साहित्य और समाज को दिशा देने में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया। साथ ही महर्षि वाल्मीकि के जीवन, आदर्शों एवं महान कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और उसका अवलोकन किया। भाजपा के प्रदेश मंत्री राहुल वाल्मीकि, भाजपा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री राजीव मिश्रा, अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम, वरिष्ठ पत्रकार संतोष वाल्मीकि, प्रोफेसर वरुण चांचड़, अभिषेक गुप्ता, पृथ्वीराज चौहान, दिनेश चंद्रा, राजेंद्र वाल्मीकि मौजूद रहे।



वाल्मीकि प्राकट्योत्सव समारोह का शुभारंभ करते डिप्टी सीएम।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन दर्शन सत्य, करुणा, सदाचार, सामाजिक समरसता और मानवता के शाश्वत मूल्यों का संदेश देता है। उनकी कालजयी रचना रामायण भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अमूल्य ग्रंथ है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी समाज को मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा, त्याग, न्याय और लोक-कल्याण की प्रेरणा प्रदान करता रहा है।

उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी प्राचीन काल में थीं। उनके आदर्शों को आत्मसात कर एक ऐसे समाज का निर्माण किया जा सकता है, जहां समानता, सद्भाव, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो। महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि ज्ञान, साधना और सकारात्मक विचारों के माध्यम से समाज को नई दिशा प्रदान की जा सकती है। समारोह के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी में महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन, उनके आध्यात्मिक व्यक्तित्व, साहित्यिक योगदान और उनके द्वारा प्रतिपादित आदर्शों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का उद्देश्य उनकी गौरवशाली विरासत से जनसामान्य को परिचित कराना तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ना रहा।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती का यह पावन अवसर उनके विचारों, आदर्शों और साहित्यिक विरासत को स्मरण करने के साथ-साथ उनके बताए मार्ग पर चलकर समरस, संस्कारित एवं मानवीय समाज के निर्माण का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि युगों तक महर्षि वाल्मीकि को याद रखा जाएगा। उनकी कृति रामायण हमें जीवन जीने का सच्चा तरीका बताती है।

चक्रवात 'अर्णब' को लेकर यूपी में अलर्ट, राहत-बचाव की तैयारियां शुरू

- उत्तर प्रदेश में 28 से 31 अक्टूबर तक बारिश और तेज हवाओं का पूर्वानुमान

■ लखनऊ

चक्रवात 'अर्णब' के संभावित प्रभाव से यूपी में 28 से 31 अक्टूबर के बीच बेमौसम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की आशंका है। इसको देखते हुए योगी सरकार अलर्ट हो गई है। मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए राहत आयुक्त डॉ. हृदयेश भास्कर यशोद ने जनसामान्य और किसानों के लिए सतर्कता संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं।



हृदयेश भास्कर

मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 28 अक्टूबर को सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, गाजीपुर और बलिया में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 29 अक्टूबर को कई जिलों में भारी बारिश और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका के चलते ऑरेंज अलर्ट है।

तापमान में आ सकती है गिरावट : चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली, अमेठी और सुल्तानपुर सहित कई क्षेत्रों में वर्षा का अनुमान है। 30 अक्टूबर को पूर्वांचल, अवध और तराई के कई जिलों के साथ बरेली, पीलीभीत और शाहजहांपुर में भी भारी बारिश व तेज हवाओं की संभावना जताई गई है। इसके चलते दिन के तापमान में 5 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। राहत आयुक्त कार्यालय ने लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

किसानों के लिए विशेष सावधानी : किसानों को फसलों और कृषि उपज की सुरक्षा के लिए जरूरी एहतियाती कदम उठाने एवं पशुधन को सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी गई है। लोगों से मौसम की ताजा जानकारी के लिए आधिकारिक मौसम बुलेटिन और सचेत ऐप पर जारी अलर्ट देखते रहने की अपील की गई है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश महामंत्री-जिलाध्यक्ष का स्वागत



हरदोई। सीतापुर रोड स्थित एमडी पैलेस में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डॉ. ऋषि चौरसिया और नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दिनेश पाल का प्रथम आगमन पर स्वागत किया गया। शाहाबाद नगर अध्यक्ष दीपकमल राठौर ने टीम के साथ दोनों पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष देवव्रत कुशवाहा, नगर उपाध्यक्ष राजीव कुमार सोनी, सचिन राठौर, अमित राठौर, पंकज राठौर, सोनू, एडवोकेट विरेंद्र यादव, नगर मंत्री राजकुमार राठौर और राजीव राठौर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बोर्ड बैठक: कर्मचारियों के बोनस से डिजिटल बैंकिंग तक, कई प्रस्तावों पर मंथन



हरदोई। डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड प्रबंध समिति की बैठक में कर्मचारियों के बोनस, बैंक शाखाओं व वाहनों के किराये में वृद्धि और वित्तीय अनुशासन सहित विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। नाबार्ड की योजनाओं, वित्तीय समावेशन, डिजिटल साक्षरता और बैंकिंग सेवाओं के विस्तार पर भी चर्चा हुई। बैंक अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा, बैंक को सुदृढ़, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के साथ किसानों, व्यापारियों व आम ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। बैठक में उपाध्यक्ष सरोज राजपूत, संचालक अतुल सिंह चाऊंपुर, सुनीत वाजपेयी, सिद्ध प्रताप मौर्य, वीरपाल, इंद्रपाल वर्मा, रामू कश्यप, अभिषेक वैश्य तथा बैंक सचिव अश्विनी कटियार सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम-सीडीओ ने किया अभ्युदय पुस्तकालय का शुभारम्भ



हरदोई। जिलाधीश राहुल पाण्डेय और मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल ने सोमवार को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना अंतर्गत पुस्तकालय का शुभारंभ किया। दोनों ने प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित पुलिस उप निरीक्षक, कांस्टेबल और होमगार्ड अभ्यर्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया। डीएम राहुल पाण्डेय ने कहा, मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। परीक्षा के दौरान तनावमुक्त रहकर एकाग्रता के साथ प्रश्न हल करें। सीडीओ नेहा ब्याडवाल ने कहा, नियमित अध्ययन और निरंतर अभ्यास सफलता की कुंजी हैं। विद्यार्थियों को क्षमताओं पर विश्वास रखकर लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास करते रहना चाहिए।

2027 में प्रचंड बहुमत से बनेगी सपा सरकार : जितेंद्र वर्मा



हरदोई। मल्लावां के नई बस्ती में सपा कार्यकर्ता रामचंद्र पटेल और प्रशांत पटेल की आयोजित पीडीए जनपंचायत में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा 'जीतू पटेल' ने आरोप लगाया, एसआईआर में गड़बड़ियां हुईं और विपक्ष ने वोट चोरी के मामलों को उजागर किया। उन्होंने पीलीभीत में दो एसडीएम के निलंबन को विपक्ष की सजगता का परिणाम बताया। जितेंद्र वर्मा ने भाजपा पर दलितों और पिछड़ों के हितों की अनदेखी तथा आरक्षण का अधिकार प्रभावित करने का आरोप लगाया। दावा किया, 2027 के चुनाव में पीडीए की एकजुटता से सपा प्रचंड बहुमत हासिल करेगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे।

श्री श्याम वार्षिकोत्सव : पत्रिका का विमोचन, 13 दिसम्बर को निशान यात्रा



हरदोई। श्री श्याम मित्र मंडल के 13वें श्री श्याम वार्षिकोत्सव का रविवार को एचके लॉन में निमंत्रण पत्रिका विमोचन संग आगाज हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन सहित अतिथियों ने दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि के बाद पत्रिका का विमोचन किया। इस बार पत्रिका का डिजिटल विमोचन भी किया गया। मंडल के अनुसार, 13 दिसंबर को वेणी माधव इंटर कॉलेज, नुमाइश चौराहा से निशान यात्रा निकलेगी। सीएसएन पीजी कॉलेज परिसर में 14 दिसंबर को भव्य श्याम दरबार सजेगा। जयपुर के अभिषेक नामा, नीमच की कनिका ग्रोवर और कटिहार के आदर्श दधीच भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन में बाबा को 56 भोग अर्पित किया जाएगा। विमोचन कार्यक्रम में प्रेम प्रकाश अग्रवाल, राजवर्धन श्रीवास्तव, अवध बिहारी मिश्रा, नवल माहेश्वरी, अविनाश चंद्र गुप्ता, इंजीनियर धीरज वर्मा, आदर्श गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

संकिसा के 86वें बौद्ध महोत्सव में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य

वाल्मीकि जयंती पर बौद्ध स्तूप का पूजन-अर्चन कर की परिक्रमा, जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं की रही उपस्थिति

■ फर्रुखाबाद

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को वाल्मीकि जयंती के अवसर पर फर्रुखाबाद के संकिसा स्थित धम्मालोको बौद्ध विहार प्रांगण में आयोजित 86वें बौद्ध महोत्सव (बौद्ध मेले) में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप का विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन किया और परिक्रमा कर श्रद्धा व्यक्त की।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, बौद्ध मताधिकारियों तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। संकिसा प्राचीन बौद्ध तीर्थस्थल है, जिसका बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए विशेष धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व है। यहां आयोजित बौद्ध महोत्सव धार्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। सांसद मुकेश राजपूत, अमृतपुर विधायक सुशील कुमार शाक्य, कायमगंज विधायक डॉ. सुरभि, जिला पंचायत प्रशासक मोनिका यादव तथा भाजपा जिलाध्यक्ष फतेहचंद्र वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पार्टी प्रतिनिधि उपस्थित रहे। महोत्सव को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के अधिकारी सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की निगरानी करते रहे।



महर्षि वाल्मीकि जयंती पर फर्रुखाबाद में हुए धार्मिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठान, मंत्री जयवीर सिंह ने किया प्रतिभाग



फर्रुखाबाद। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को जनपद भर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासन के निर्देशों के क्रम में वाल्मीकि मंदिरों में विभिन्न आयोजन हुए। इसी क्रम में फतेहगढ़ के ग्वालटोली स्थित वाल्मीकि मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि रामायण के रचयिता होने के साथ ही समानता, न्याय और ज्ञान के संदेश के माध्यम से समाज को दिशा देने वाले महर्षि थे। उनके विचार आज भी सामाजिक समरसता और सद्भाव की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सद्भावना और सकारात्मक प्रेरणा का संचार करते हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं सामाजिक संस्थाओं से जुड़े प्रतिभागियों ने भक्ति गीतों, कविताओं और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सूचना विभाग की ओर से प्रेषित नुक्कड़ नाटक की टोलियों ने भी प्रस्तुतियां देकर महर्षि वाल्मीकि के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया।

वाल्मीकि जयंती पर भाजपा कार्यालय में हुई संगोष्ठी

हरदोई। भाजपा जिला कार्यालय पर महर्षि वाल्मीकि जयंती पर संगोष्ठी में जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा, रामायण के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि ने मर्यादा, सत्य, न्याय और लोककल्याण का संदेश दिया। अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि वाल्मीकि ने शिक्षा, आत्मविश्वास और सामाजिक समरसता पर जोर दिया। संगोष्ठी में जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, महामंत्री अनुराग मिश्रा, मंत्री निर्देश राजपूत, मीडिया प्रभारी अतुल सिंह चाऊंपुर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुराधा मिश्रा, नगर अध्यक्ष मुदित वाजपेयी, उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, महामंत्री पंकज सिंह एवं अंकित मिश्रा, मंत्री हरि प्रताप सिंह, प्रियंका सिंह, किसान मोर्चा पूर्व अध्यक्ष विश्वराज सिंह, पूर्व महामंत्री नीरज तिवारी, अनुराग श्रीवास्तव, मुनि मिश्रा, बॉबी ओमर, दीपू चार्ली, ऋतुराज त्रिपाठी, अभय दीक्षित सनी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्साह और उल्लास के साथ मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

■ सीतापुर



महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शहर में वाल्मीकि समाज के लोगों ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। सुबह से लेकर शाम तक आयोजनों का दौर चलता रहा। समाज के युवाओं ने सुबह डीजे रथ के साथ महर्षि वाल्मीकि की तस्वीर रखकर जुलूस और शोभायात्रा निकाली। इस दौरान युवा उत्साह के साथ झूमते-नाचते नजर आए।

शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। समाज के लोगों ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन और उनके आदर्शों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं और समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। वहीं, शाम को भी शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। महर्षि वाल्मीकि मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना और अन्य धार्मिक कार्यक्रम किए गए।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन, उनके साहित्यिक योगदान और सामाजिक संदेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने समाज को सत्य, धर्म और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके आदर्श आज भी सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। पूरे दिन चले कार्यक्रमों के दौरान शहर में उत्सव जैसा माहौल रहा।

ओम प्रकाश सिंह भदौरिया की स्मृति में सजी काव्य संध्या, आठ विभूतियां सम्मानित

कवियों ने बांधा समां, उत्सव गेस्ट हाउस में हुआ आयोजन

■ फर्रुखाबाद



आरोग्य चेतना समिति एवं टीम ऑलवेज पॉजिटिव के संयुक्त तत्वावधान में ओम प्रकाश सिंह भदौरिया की छठवीं पुण्यतिथि पर उत्सव गेस्ट हाउस में विराट कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ।

अध्यक्षता वरिष्ठ कवि महेश पाल सिंह उपकारी ने की, जबकि संचालन वैभव सोमवंशी 'सुभग' ने किया। कवयित्री स्मृति अग्निहोत्री, अंतरराष्ट्रीय कवि विवेक बादल बाजपुरी, डॉ. प्रीति पवन तिवारी, अशोक अंजाना, नवीन 'नवी', उत्कर्ष अग्निहोत्री तथा संयोजक डॉ. अरुण प्रताप सिंह भदौरिया और आनंद भदौरिया ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर किया। हास्य, भक्ति, राष्ट्रप्रेम और पारिवारिक संवेदनाओं से सजी प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजीं। समारोह में अनिल भदौरिया, डॉ. अरशद मंसूरी, कृपाल सिंह राजावत, सुमन राठौर, डॉ. आर. वी. सिंह, डॉ. यशपाल चौहान, नरदेव सिंह और अरविंद चौहान को विभिन्न स्मृति सम्मानों से सम्मानित किया गया। सभी सम्मानित अतिथियों को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए।

समापन पर महेश पाल सिंह उपकारी ने भदौरिया बंधुओं द्वारा लगातार छह वर्षों से अपने पिता की स्मृति में आयोजन कराने की सराहना की। कार्यक्रम में साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

कुटी के बाहर पेड़ से लटका मिला जंगली बाबा का शव

सीतापुर। इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के कमोलिया गांव के बाहर सोमवार सुबह कुटी में रहने वाले जंगली बाबा (60) का शव पेड़ से लटका मिला। सुबह करीब सात बजे घटना की जानकारी होने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए।

जंगली बाबा गांव के बाहर कुटी में रहते थे और मंदिर में पूजा-पाठ करते थे। उनका शव मिलने से क्षेत्र में चर्चा रही। हालांकि, उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है, गांव में काना-फूसी बनी हुई है। प्रभारी निरीक्षक आशीष तिवारी ने बताया कि फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लहरपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बुजुर्गों की मौत, पीआरडी जवान घायल

बिसवां मार्ग पर हादसा, चालक फरार, सीसीटीवी फुटेज से तलाश में जुटी पुलिस

■ लहरपुर



लहरपुर-बिसवां मार्ग पर सोमवार सुबह यादव एंड संस पेट्रोल पंप के आगे अज्ञात वाहन की टक्कर से मॉर्निंग वॉक पर निकले दो बुजुर्गों की मौत हो गई, जबकि साइकिल से घर लौट रहा पीआरडी जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

मृतकों की पहचान रमेश चंद्र अवस्थी (68) पुत्र श्याम किशोर अवस्थी और राकेश वर्मा (62) पुत्र संतराम के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से क्रमशः ग्राम टांडा कला और रघुनाथपुर के निवासी थे तथा वर्तमान में लवकुशनगर, अंबरसराय में रह रहे थे। दोनों मित्र रोज की तरह सुबह टहलने निकले थे और घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। इसी दौरान ड्यूटी से साइकिल पर घर लौट रहे पीआरडी जवान रामस्वरूप (50) पुत्र छविनाथ निवासी बरेती जलालपुर की साइकिल को भी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना पर कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां चिकित्सकों ने रमेश चंद्र अवस्थी और राकेश वर्मा को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल जवान का उपचार शुरू किया गया। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से फरार वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है।

टिकट नहीं मिले तो पार्टी प्रत्याशी की मदद करें : नरेश अग्रवाल

अशोक वाजपेयी की टिप्पणी के बीच बयान के सियासी मायने

■ हरदोई



पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने कहा, टिकट मांगना सभी का अधिकार है, लेकिन टिकट नहीं मिलने पर पार्टी का विरोध करने के बजाय प्रत्याशी की खुलकर मदद करनी चाहिए। वैटगंज आवास पर प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा, चुनाव तक सभी टिकट मांगें, लेकिन टिकट बंटने के बाद पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में जुट जाएं। अग्रवाल ने किसी का नाम नहीं लिया, पर उनके बयान को पूर्व सांसद डॉ. अशोक वाजपेयी की उस टिप्पणी से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने टिकट मांगने को सभी का अधिकार बताते हुए अनावश्यक नसीहत देने पर सवाल उठाया था।

नरेश अग्रवाल ने युवा नेताओं को सहयोग देने की बात कही। कानून-व्यवस्था पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ की। कहा, सरकार ने इतिहास बनाया है। अपने ऊर्जा मंत्री के कार्यकाल का जिक्र कर उन्होंने दावा किया, हरदोई में गुंडों और माफिया को पनपने नहीं दिया और आगे भी कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान पूर्व दर्जा राज्यमंत्री/पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल मौजूद रहे।

पिहानी रामलीला मैदान में अवैध निर्माण रुकवाया

हरदोई। पिहानी में रामलीला मैदान के पास सरकारी रास्ते की जमीन पर कब्जे और निर्माण का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। एसडीएम शाहाबाद अवनीश कुमार के नेतृत्व में राजस्व, नगर पालिका परिषद और पुलिस ने निर्माण रुकवाया और तिरपाल उतरवा दिया। संबंधित जमीन को लेकर पहले भी पीपी एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है।

निर्माण रुकने के बाद भी रास्ते की जमीन को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त कराने का सवाल बना हुआ है। देखना है, प्रशासन केवल निर्माण रुकवाने तक सीमित रहता है या नियमानुसार कार्रवाई कर सरकारी जमीन को कब्जामुक्त भी कराता है।

रावण वध के साथ अधर्म पर धर्म की विजय, जय श्री राम से गूंजा मैदान

81वें रामलीला महोत्सव का समापन



■ सिधौली

रामलीला महोत्सव में सोमवार शाम श्रीराम ने अग्निबाण चलाकर रावण का वध किया। रावण का पुतला धू-धू कर जला तो रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। पुतला दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे।

रामलीला समिति की ओर से हुए मंचन में सीता हरण, लंका दहन, लक्ष्मण मूर्छा और मेघनाद वध सहित रामायण के प्रमुख प्रसंगों का मंचन किया गया। रविवार देर रात वृंदावन के कलाकारों ने हनुमान के लंका पहुंचने, अशोक वाटिका उजाड़ने और रावण के दरबार में उनकी पूंछ में आग लगाने के प्रसंग प्रस्तुत किए। इसके बाद हनुमान के लंका दहन का दृश्य दिखाया गया। रामलीला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि रावण दहन के लिए 25 फीट ऊंचा पुतला तैयार कराया गया था। शाम करीब छह बजे भगवान राम ने अग्निबाण चलाकर पुतले का दहन किया। रावण वध के बाद विभीषण को लंका का राज सिंहासन सौंपने और राम, सीता व लक्ष्मण के मिलन का मंचन भी हुआ।

16 नवंबर से 30 नवंबर तक होगी स्वगणना



■ हरदोई

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना होगी। नागरिक जनगणना पोर्टल पर स्वयं अपना विवरण दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनगणना करेंगे। स्वगणना के बाद मिलने वाला आईडी नंबर प्रगणक को उपलब्ध कराना होगा।

मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल की अध्यक्षता में सोमवार को विकास भवन के स्वर्ण जयंती सभागार में बैठक में इसकी जानकारी दी गई। अपर जिलाधीश (वित्त एवं राजस्व) दीपाली भार्गव ने स्वगणना की प्रक्रिया समझाई। मास्टर ट्रेनर ने पोर्टल का प्रशिक्षण दिया। बैठक में पत्रकारों, प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों और जनगणना चार्ज अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

हरदोई बाबा मंदिर में ब्याह, 2 दिन बाद दुल्हन फरार, 5 साल बाद इनामी गिरफ्तार

हरदोई। मंदिर में ब्याह कराकर जेवर-कपड़ों के साथ दुल्हन के गायब होने के पांच साल पुराने मामले में लोनार पुलिस ने एक हजार रुपये के इनामी आरोपी रमेश सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी डभेलिया का है। बिलग्राम क्षेत्र के परसोला के धनंजय सिंह ने 11 सितंबर 2021 को मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था, रमेश ने अपनी तलाकशुदा साली गुड़िया से शादी कराने का भरोसा देकर 25 अगस्त 2021 को बाबा मंदिर में शादी कराई। पीड़ित के मुताबिक, दो दिन बाद गुड़िया जेवर और कपड़ों के साथ चली गई और वापस नहीं लौटी। बाद में पता चला, वह पहले से रमेश की पत्नी थी। मामले में रमेश समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

दिल्ली रैली : हरदोई से 500 कांग्रेसजन ले जाने का लक्ष्य



■ हरदोई

दिल्ली रामलीला मैदान में पहली नवंबर को 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली की तैयारियों को लेकर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक एवं रैली प्रभारी जंग बहादुर सिंह ने कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क तेज कर अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने कहा, हरदोई से 500 कांग्रेसजनों को दिल्ली ले जाने का लक्ष्य है। पूर्व जिलाध्यक्ष अजय सिंह ने मताधिकार की रक्षा को लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बताया। बैठक में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहन सिंह, उमा राजवंशी, जितेंद्र वर्मा, ममता पाल, विनीत वर्मा, अनूप दीक्षित, संध्या वर्मा, तुषार दीक्षित, अनूप सिंह, यशवीर दीक्षित, शशिकांत तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

सपा पर साधा निशाना, एमएलसी चुनाव में सभी सीटों पर जीत का दावा

महोली में 114 करोड़ से बनेंगे दो पुल, ब्रजेश पाठक ने किया भूमि पूजन

■ सीतापुर



उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार शाम महोली विधानसभा क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया। कठिना नदी और रेलवे लाइन पर बनने वाले इन पुलों पर 114 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। निर्माण कार्य 24 महीने में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों पुल क्षेत्र के विकास और आवागमन को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव में हार की आशंका के चलते सपा नेता मतों की लूट जैसे बयान दे रहे हैं।

भूमि पूजन के बाद मीडिया से बातचीत में ब्रजेश पाठक ने कहा कि यूपी का समेकित विकास भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। सीतापुर को मॉडल और विकसित जिले के रूप में तैयार किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर भाजपा का समर्थन करने की अपील की। उपमुख्यमंत्री ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकार में प्रदेश में वन माफिया और अन्य माफिया गतिविधियों को बढ़ावा मिला। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार में माफिया या तो जेल में हैं या प्रदेश छोड़ चुके हैं। पाठक ने कहा कि प्रदेश की जनता सपा के मंसूबों को सफल नहीं होने देगी।

खरगे की टिप्पणी पर जताई नाराजगी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी पर ब्रजेश पाठक ने नाराजगी जताई। उन्होंने इसे निंदनीय बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है। उनके मुताबिक, इस तरह की टिप्पणियों से कांग्रेस को राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सभी 11 सीटें जीतने का दावा : स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा सभी 11 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि यह पढ़े-लिखे लोगों का चुनाव है और इसके परिणाम आगामी राजनीतिक माहौल का संकेत देंगे।

संक्षिप्त समाचार

अग्रसेन शोभायात्रा के बाद आयोजित हुआ सम्मान समारोह



सम्मान समारोह के दौरान अतिथियों को सम्मानित करते अग्रवाल समाज के सदस्य।

डिबाई। अग्रवाल सेवा सदन में अग्रसेन शोभायात्रा के बाद सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि ओपी जलन, बुलंदशहर ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान अतिथियों ने महाराजा अग्रसेन के आदर्शों, सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। महाराजा अग्रसेन का स्वरूप धारण करने वाले बच्चों और 18 राजकुमारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शोभायात्रा में सहयोग करने वाले सदस्यों और पत्रकारों को भी स्मृति चिह्न भेंट किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिबाई चेयरमैन अरुण कुमार सिंघल ने की तथा संचालन प्रदीप कुमार गर्ग ने किया। समारोह में समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दोगवां में रावण दहन, बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश

डिबाई। क्षेत्र के दोगवां गांव में रविवार को रावण मेले का आयोजन किया गया। मेले में मां काली की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसके बाद राम-रावण युद्ध का मंचन हुआ और रावण के पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। मेले में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व राज्य मंत्री राजीव लोधी एवं अजय कुमार ने फीता काटकर किया। आयोजकों ने अतिथियों का माला व पटका पहनाकर स्वागत किया। मां काली के कलाकारों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मेले में विभिन्न दुकानें आकर्षण का केंद्र रहीं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा।इस दौरान राजीव सिंह लोधी, अक्षय कुमार लोधी, जोगेंद्र सिंह, रविंद्र लोधी, देवेंद्र शर्मा, अनिल लोधी, पंकज लोधी, महेश लोधी और चंद्रपाल लोधी सहित संयुक्त समिति के सदस्य एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सपा कार्यालय पर मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

बुलन्दशहर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर सोमवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने की तथा संचालन जिला महासचिव कृष्णपाल यादव ने किया। मतलूब अली ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर सत्य, न्याय, त्याग, प्रेम और मर्यादा का संदेश दिया। उनके आदर्श आज भी समानता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने सभी से महर्षि वाल्मीकि के विचारों को अपनाकर समतामूलक समाज बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नारऊ की रामलीला के तीसरे दिन का मुकेश पंडित ने किया शुभारंभ

छतारी। गांव नारऊ में रामलीला के तीसरे दिन बसपा नेता एवं शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी पंडित मुकेश कुमार ने भगवान विष्णु की आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने 5100 रुपये की भेंट भी अर्पित की। रामलीला कमेटी ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने परशुराम-लक्ष्मण संवाद का मार्मिक मंचन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में कमेटी पदाधिकारी, ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे।

शोभना सैनी ने सजाई बाबा महाकाल की झांकी ने मोहा सबका मन

औरंगाबाद। महाराजा अग्रसेन शोभायात्रा में शामिल बाबा महाकाल की मनोहारी झांकी आकर्षण का केंद्र रही। कस्बे के भावसी रोड निवासी शोभना सैनी ने इस झांकी को बड़े मनोयोग और श्रद्धाभाव से सजाया था। उनकी शानदार प्रस्तुति की दर्शकों ने मुक्तकंठ से सराहना की। उच्च शिक्षित एवं स्कूल अध्यापिका शोभना सैनी लंबे समय से नागेश्वर मंदिर परिसर में भगवान महादेव का मनोहारी शृंगार करती आ रही हैं। बाबा महाकाल और भगवान शिव को अपना आराध्य मानने वाली शोभना को धार्मिक आयोजनों में विशेष रुचि है। उन्होंने बताया कि बाबा महाकाल की झांकी सजाने और महादेव का शृंगार करने से उन्हें आत्मिक शांति और संतुष्टि का अनुभव होता है। उनकी भक्ति और कलात्मक प्रस्तुति ने महाराजा अग्रसेन शोभायात्रा में श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह का नोवा हॉस्पिटल में भव्य स्वागत

बुलन्दशहर। विश्व हिंदू परिषद के युगपुरुष अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय पुनर्जागरण कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह का नोवा हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. चंद्रजीत तोमर ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान विहिप के केंद्रीय मंत्री विजय शंकर तिवारी, क्षेत्र संगठन मंत्री मुकेश खांडेकर और जगद्गुरु विजयराम देवाचार्य भैयाजी महाराज का भी माल्यार्पण एवं पटका भेंट कर अभिनंदन किया गया। नीरज सिंह ने नोवा हॉस्पिटल में मरीजों को उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली और अस्पताल प्रबंधन के प्रयासों की सराहना की।

शिकारपुर में श्रद्धा के साथ मनाई गई महर्षि वाल्मीकि की जयंती



वाल्मीकि जयंती पर हवन में आहुति देतीं चेयरपर्सन राजबाला देवी सैनी, सभासद व पालिका कर्मी।

शिकारपुर। नगर में विभिन्न स्थानों पर महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। नगर पालिका परिषद की ओर से मोहल्ला कोट शेर खां स्थित वाल्मीकि मंदिर में हवन आयोजित किया गया। चेयरपर्सन राजबाला देवी सैनी ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। पंडित सौरभ शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सभासदों और पालिका कर्मियों ने हवन में आहुतियां दीं। वहीं, लाल दरवाजा स्थित वाल्मीकि मंदिर में पूजा-अर्चना व भंडारे का आयोजन हुआ। मोहल्ला नवगंज में पूर्व विधायक महेंद्र कुमार वाल्मीकि ने भी जयंती मनाई।

वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर सामाजिक समरसता विचार गोष्ठी एक नवंबर को

बुलन्दशहर। राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा की ओर से भगवान महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में एक नवंबर, रविवार को सुबह 11 बजे होटल शैल्टन, आरटीओ कार्यालय के निकट भूड़ में सामाजिक समरसता विचार गोष्ठी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम संयोजक रामकुमार मकवाना ने बताया कि गोष्ठी में सामाजिक समरसता का संदेश देने के साथ वरिष्ठ समाजसेवियों, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री भगवत प्रसाद मकवाना की गरिमामयी उपस्थिति प्रस्तावित है। दोपहर दो बजे सहभोज का आयोजन भी होगा।

खनन का विरोध करने पर युवक पर जानलेवा हमला, मेरठ रेफर

औरंगाबाद। थाना क्षेत्र के गांव लौहरका में अवैध खनन का विरोध करने वाले विकास उर्फ बादल पर कथित खनन संचालक आनंद ने बलकटी से सिर पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में हुए धार्मिक आयोजन

रामायण पाठ, सुंदरकांड और भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल

■ अलीगढ़

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर जिले के विभिन्न मंदिरों में रामकथा, रामायण पाठ, सुंदरकांड और भजन-कीर्तन के आयोजन किए गए। कार्यक्रमों के माध्यम से रामायण के आदर्शों और महर्षि वाल्मीकि के साहित्यिक योगदान का संदेश दिया गया।प्राचीन खेरेश्वर मंदिर परिसर में पर्यटन विभाग की ओर से सुंदरकांड पाठ आयोजित हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह ने पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार और क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव ने भगवान श्रीराम, माता सीता, हनुमान जी और महर्षि वाल्मीकि के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि शासन के निर्देश पर श्री अचलेश्वर मंदिर, टप्पल स्थित श्री दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर, जवां और दुर्गापुरी सासनी गेट स्थित वाल्मीकि मंदिर तथा खेरेश्वर मंदिर सहित जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। सांस्कृतिक कलाकारों ने भक्ति प्रस्तुतियां दीं।आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, सुरक्षा, प्रकाश और ध्वनि व्यवस्था की गई। कार्यक्रमों के माध्यम से धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।



महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सुंदरकांड में उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार और क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव।

आर्थिक तंगी से नहीं रुकेगी जरूरतमंद बंदियों की रिहाई

■ अलीगढ़

आर्थिक अभाव के कारण गरीब एवं जरूरतमंद बंदियों की रिहाई में बाधा न आए, इसके लिए सोमवार को जिला कारागार में जिला स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति की बैठक आयोजित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूर्णकालिक सचिव साक्षी गर्ग की उपस्थिति में हुई बैठक में पात्र बंदियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण पर चर्चा की गई।बैठक में उच्चतम न्यायालय के सतेन्द्र कुमार अंतिल बनाम सीबीआई एवं अन्य मामले में दिए गए निर्देशों तथा केंद्र सरकार की 'निर्धन बंदियों को सहायता' योजना की संशोधित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने पात्र बंदियों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी करने पर जोर दिया।बैठक में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अंकित राज सिंह, पुलिस अधीक्षक अपराध ममता कुरील, जिला प्रोबेशन अधिकारी अजीत कुमार और जेल अधीक्षक पंकज कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं का सारसौल चौराहे पर हुआ भव्य स्वागत



प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम का स्वागत करते वरिष्ठ नेता राजीव गुप्ता लीडर

■ अलीगढ़

उत्तर प्रदेश कांग्रेस द्वारा आयोजित 'शंखनाद 2027' जनसभा में शामिल होने पहुंचे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद इमरान मसूद का सारसौल चौराहे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव गुप्ता लीडर और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी गौरांग देव चौहान ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत किया।इस दौरान एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष आकाश मसीह, मोहम्मद जियाउद्दीन राही, डॉ. सौरभ द्विवेदी, मोहम्मद रेहान, उदित अग्रवाल, अलंकार शर्मा और हेमंत सूर्यवंशी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डकैती और हत्या के प्रयास के मामले में रोविन को सात वर्ष का कारावास

अलीगढ़। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या-01, विपिन कुमार द्वितीय की अदालत ने डकैती और हत्या के प्रयास से जुड़े मामले में अभियुक्त रोविन को सात-सात वर्ष के कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है।मामला मु.अ.सं. 117/2019, सत्र परीक्षण संख्या 1365/2026, राज्य बनाम रोविन से संबंधित है।

एडीजीसी मेपे सिंह के अनुसार, अदालत ने धारा 395 भारतीय दंड संहिता के तहत सात वर्ष का कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 307 के तहत सात वर्ष का कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड सुनाया। धारा 149 के तहत भी सात वर्ष के कारावास और 25 हजार रुपये अर्थदंड का उल्लेख किया गया है।मामले में न्यायालय के निर्णय की जानकारी एडीजीसी मेपे सिंह ने दी।

करवा चौथ पर 15 स्थानों पर लगेंगे मेहंदी स्टॉल

■ रोजगार भारती का सौभाग्य महोत्सव 27 और 28 अक्टूबर को, महिलाओं को मिलेगा हुनर दिखाने और स्वरोजगार का अवसर

■ अलीगढ़

रोजगार भारती हरिगढ़ विभाग की ओर से करवा चौथ के अवसर पर 27 और 28 अक्टूबर को शहर में विभिन्न स्थानों पर मेहंदी स्टॉल लगाए जाएंगे। सौभाग्य महोत्सव का उद्देश्य महिलाओं की कला को प्रोत्साहित करना और उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। विभाग संयोजक गौरव हरकुट, सह संयोजक रविंद्र चौधरी, कार्यक्रम संयोजक रुचि गोतेवाल और भारती सिसोदिया ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।



पत्रकार वार्ता में जानकारी देते विभाग संयोजक गौरव हरकुट, सह संयोजक रविंद्र चौधरी, कार्यक्रम संयोजक रुचि गोतेवाल और भारती सिसोदिया।

मेहंदी स्टॉल के प्रमुख स्थान

सांगवान सिटी शिव मंदिर, स्वर्ण जयंती नगर स्थित एसबीआई बैंक के पास एनएस-4 सैलून, रघुवीरपुरी स्थित अखिलेश्वर मंदिर, हैबिटेट सेंटर, सासनी गेट चौराहा स्थित काली मंदिर, हाथरस अड्डा पेट्रोल पंप, रेलवे रोड स्थित रूप मिलन साड़ी केंद्र, मैरिस रोड पर आयकर कार्यालय के सामने स्वदेशी मार्केट, कुंजीलाल सेंटर प्वाइंट, आईटीआई साईं मंदिर, जीटी रोड स्थित हरकुट, ओएलएफ के सामने एडीए मंदिर, बारहद्वारी स्थित हरकुट, नौरंगाबाद स्थित गौरव ज्वेलर्स और मथुरा रोड स्थित वसुंधरा गेस्ट हाउस में मेहंदी स्टॉल लगाए जाएंगे।

श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ विद्यासागर महामंडल विधान



आचार्य विद्यासागर महाराज के अवतरण दिवस पर मौजूद श्रद्धालु।

■ अलीगढ़

खिरनी गेट स्थित श्री लखमीचंद पांड्या खंडेलवाल दिगंबर जैन ट्रस्ट परिसर में सोमवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस पर भव्य महामंडल विधान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुनि सेवा समिति के तत्वावधान में हुए आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।उपाध्याय श्री शिवदत्त सागर महाराज ससंघ एवं प्रतिष्ठाचार्य राकेश भैयाजी के निर्देशन में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा और महामंडल विधान विधि-विधान से संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने विश्व शांति और जनकल्याण की कामना की। विधान के बाद मुख्य पात्रों की बग्घी यात्रा निकाली गई, जो बाग वाले मंदिर से प्रारंभ होकर बड़े मंदिर में दर्शन के बाद वापस पहुंची।

■ आचार्य के अवतरण दिवस पर निकली बग्घी यात्रा, जीवन पर आधारित नाटिका ने किया मंत्रमुग्ध

दिल्ली कंठस्थ कला केंद्र की ओर से निशांत शर्मा ने आचार्य श्री के जीवन, त्याग, तपस्या और जीवमात्र के कल्याण के संदेश पर आधारित नाटिका प्रस्तुत की, जिसे दर्शकों ने सराहा। शाम को आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। आयोजन में शामिल मुख्य पात्रों को हथकरघा निर्मित वस्त्र भेंट किए गए। इस अवसर पर प्रद्युम्न कुमार जैन, मुनेश जैन, नरेंद्र कुमार जैन, सुशील कुमार जैन, सुरेश कुमार जैन, डॉ. पी.के. जैन, मुकेश जैन, मयंक जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

चार जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन, नए मतदाताओं के जुड़ेंगे नाम

बुलन्दशहर। जिला निर्वाचन अधिकारी कुमार हर्ष ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर पात्र मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े जाएंगे। 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं से फॉर्म-6 भरकर आवेदन करने की अपील की गई। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा। जिले में मतदेय स्थलों की संख्या 3031 से बढ़ाकर 3032 कर दी गई है। अधिकारियों को मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की सुविधा सुनिश्चित करने तथा राजनीतिक दलों को प्रत्येक बूथ पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने के निर्देश दिए गए।

नौ लाख में उठा आतिशबाजी बाजार का ठेका

■ राजीव गौतम के नाम छूटी बोली

■ खैर।

लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह के सामने सरकारी भूमि पर प्रतिवर्ष लगने वाले आतिशबाजी बाजार के ठेके की खुली नीलामी सोमवार को नगर पालिका परिषद में आयोजित हुई। खैर चेयरमैन संजय शर्मा, नायब तहसीलदार काजोल तोमर व ईओ निषाद मधुरमय की मौजूदगी में आठ आवेदकों ने बोली में भाग लिया।

प्रारंभिक बोली तीन लाख रुपये से शुरू हुई। बोली बढ़ते हुए साढ़े छः लाख रुपये पर रूकी। बाद में राजीव गौतम ने नौ लाख रुपये की सर्वाधिक बोली लगाकर आतिशबाजी बाजार का ठेका अपने नाम कर लिया। ठेका मिलने पर चेयरमैन संजय शर्मा ने राजीव गौतम को माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर नगर पालिका सभासद आस मोहम्मद, जितेंद्र, अंशू शर्मा, इमरान कुरैशी, विश्वास शर्मा, ऋषि रावत, मोहित शर्मा सभासद जितेन्द्र, दिनेश शर्मा आदि के अलावा पालिका के लिपिक भारत भूषण, संदीप शर्मा, दिवाकर अग्रवाल, अंकित गौतम, राजेश कुमार, सचिन चौहान, राजू वर्मा, छोटेलाल, दिलीप कुमार, बबलू आदि मौजूद रहे।



आतिशबाजी बाजार का ठेका लेने वाले राजीव गौतम का माल्यार्पण कर स्वागत करते चेयरमैन संजय शर्मा।

पटाखा बाजार में दुकानों के आवंटन पर उठे सवाल

अलीगढ़। राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी के पटाखा बाजार में दुकानों के आवंटन को लेकर इस बार भी सवाल उठने लगे हैं। आरोप हैं कि कुछ लोग अपने नाम पर दुकानें आवंटित कराकर उन्हें दूसरे लोगों को दे देते हैं। चर्चा यह भी है कि निरीक्षण के दौरान संबंधित दुकानों पर वास्तविक दुकानदार मौजूद मिलते हैं, जिससे पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं।हैरानी की बात यह है कि यदि इन गतिविधियों की जानकारी नुमाइश प्रशासन को पहले से है, तो फिर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई देती? क्या आवंटन की शर्तों का उल्लंघन रोकने के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है, या निगरानी व्यवस्था केवल औपचारिकता बनकर रह गई है?पटाखा बाजार में दुकानों के आवंटन पत्रों, वास्तविक संचालकों और निर्धारित शर्तों की जांच कराए जाने की जरूरत है। अब देखना यह है कि नुमाइश प्रशासन इस बार पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाता है और कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई होती है या मामला फिर सवालों तक ही सीमित रह जाता है।

मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी गौकश मुकीम गिरफ्तार

बुलन्दशहर। चोला थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 50 हजार रुपये के इनामी गौकश मुकीम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाते समय पुलिसकर्मी की सरकारी पिस्टल लेकर फरार हो गया था। तलाश के दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग की। पुलिस ने उसके कब्जे से सरकारी पिस्टल, नौ जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। आरोपी 15 अगस्त को जंगल में हुई कथित गोकशी की घटना के बाद से फरार चल रहा था।

जनगणना के लिए 270 शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

डिबाई। भारत की जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत सोमवार को रजनी पब्लिक स्कूल में प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें करीब 270 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान जनसंख्या गणना की प्रक्रिया, परिवारों से जानकारी जुटाने और निर्धारित 40 सवालों के बारे में विस्तार से बताया गया। एसडीएम रविकान्त चौबे के निर्देशन में तहसीलदार सरिता ने जनगणना संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्व-गणना 16 से 30 नवंबर 2026 तक प्रस्तावित है।

अमर सिंह कॉलेज और एनआईओएस में कौशल विकास को लेकर हुआ एमओयू

बुलन्दशहर। अमर सिंह कॉलेज, लखावटी और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षण संस्थान के बीच 26 अक्टूबर को नोएडा स्थित मुख्यालय में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत कृषि, पशुपालन, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, गृह विज्ञान और आतिथ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में सर्टिफिकेट व डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पहल से बुलंदशहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम में दोनों संस्थानों के अधिकारी एवं शिक्षाविद मौजूद रहे।

गद्दड मुक्ति अभियान में लापरवाही पर डीएम नाराज

एटा। जिलाधिकारी एम. अरुन्मोली ने सोमवार को कैंप कार्यालय में गड्ढा मुक्ति अभियान की समीक्षा बैठक की। अभियान में लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार सड़कों के गड्ढे तत्काल भरवाने के निर्देश दिए। त्योहार से पहले सड़कों को गड्ढामुक्त करने पर विशेष जोर दिया।डीएम ने लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत, मंडी, नगर निकायों, सिंचाई विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग और जल निगम सहित संबंधित संस्थाओं को अपने अधीन सड़कों का निरीक्षण कर मरम्मत कराने को कहा। बिटुमिन उपलब्ध होने में देरी पर गिट्टी से गड्ढे भरने के निर्देश दिए। पाइपलाइन कार्यों से क्षतिग्रस्त सड़कों को प्राथमिकता से ठीक कराने और कार्य पूरा होने पर सत्यापन कराने को भी कहा।बैठक में जलेसर और अवागढ़ के अधिशासी अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर डीएम ने सीडीओ राजेंद्र प्रसाद मिश्रा को स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान में देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनगणना कार्य को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कराएं संपन्न- जिलाधिकारी

कासगंज। जनपद कासगंज में भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) के अंतर्गत नियुक्त प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को नगर पालिका परिषद सोरों में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनगणना कार्य में लगे कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देशों एवं कार्यप्रणाली की जानकारी प्रदान कर जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराना है। इस अवसर पर जिला जनगणना प्रभारी सत्यानारायण यादव, चार्ज अधिकारी/उप जिलाधिकारी हर्षिता देवड़ा तथा जनगणना लिपिक नीरज पाठक सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने प्रशिक्षण में उपस्थित समस्त कार्मिकों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी प्रगणक एवं सुपरवाइजर प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता से प्राप्त करें तथा जनगणना से संबंधित सभी प्रक्रियाओं एवं दिशा-निर्देशों की भलीभांति जानकारी प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना के दौरान प्रत्येक परिवार एवं व्यक्ति से संबंधित सूचनाओं का संकलन पूरी सावधानी, शुद्धता एवं जिम्मेदारी के साथ किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कार्मिक निर्धारित समय-सीमा में अपने दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें, जिससे जनपद में जनगणना-2027 का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों की सभी शंकाओं का समाधान किया जाए तथा जनगणना कार्य की नियमित निगरानी एवं समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

सुभाषितम्

सत्यस्य वचनं श्रेयः सत्यादपि हितं वदेत्।
यद्भूतहितमत्यन्तं एतत् सत्यं मतं मम्।।

यद्यपि सत्य वचन बोलना श्रेयस्कर है तथापि उस सत्य को ही बोलना चाहिए जिससे सर्वजन का कल्याण हो। मेरे (अर्थात् श्लोककर्ता नारद के) विचार से तो जो बात सभी का कल्याण करती है वही सत्य है।

संपादकीय

तकनीकी युग और युद्ध

दुनियाभर में युद्ध का स्वरूप समय के साथ तेजी से बदल रहा है। पहले युद्ध में सैनिकों की संख्या, हथियारों की मारक क्षमता, टैंकों, तोपों और लड़ाकू विमानों की भूमिका निर्णायक मानी जाती थी। मगर अब आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से युद्ध की रणनीति और लड़ने के तरीके, दोनों बदल रहे हैं। ड्रोन, एआई, साइबर हमले, उपग्रह निगरानी, रोबोटिक हथियार और उन्नत मिसाइल जैसी रक्षा प्रणालियां युद्ध के नए साधन बन गए हैं। ऐसे में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पड़ोसी मुल्क चीन की बढ़ती तकनीकी और सामरिक क्षमताओं से मुकाबला करने की है। यह बात छुपी नहीं है कि भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कई बार टकराव में तब्दील हुआ है। डोकलाम व गलवान के घटनाक्रमों के बाद अब अरुणाचल प्रदेश में सीमा पर चीनी सेना की हलचल बढ़ी है। आधुनिक युद्धों में तकनीक की भूमिका रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्षों में देखने को मिली है। अब दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, उसके संचार तंत्र को बाधित करने और दूर बैठे ही सटीक हमला करने के लिए तकनीक का व्यापक इस्तेमाल किया जा रहा है। एआई की मदद से युद्ध क्षेत्र से मिलने वाली सूचनाओं का विश्लेषण करके तेजी से निर्णय लिया जा सकता है। वहीं साइबर हमलों के जरिए बिजली आपूर्ति, संचार नेटवर्क, बैंकिंग और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा सकता है। इस बदलाव का अर्थ यह है कि अब किसी देश की सैन्य शक्ति केवल उसके सैनिकों और हथियारों की संख्या से नहीं आंकी जा सकती। तकनीकी दक्षता, खुफिया जानकारी, संचार व्यवस्था और विभिन्न सैन्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आईटीबीपी चीन के साथ करीब साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा की सुरक्षा करती है। बढ़ती चुनौतियों के बीच इस बल ने अपनी सभी सीमा इकाइयों में ड्रोन प्लाटून गठित की हैं और आधुनिक युद्ध की जरूरतों के मद्देनजर सीमा पर व्यापक भूमिगत ढांचे बनाए जा रहे हैं। भारत के लिए यह बदलाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि चीन सैन्य आधुनिकीकरण और नई तकनीकों के विकास पर लगातार जोर दे रहा है। वह सैन्य निर्णय लेने, निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और लक्ष्य निर्धारित करने जैसे क्षेत्रों में एआई के इस्तेमाल को आगे बढ़ा रहा है। ऐसे में भारत को सीमा सुरक्षा के पारंपरिक इंतजामों के साथ-साथ अपनी तकनीकी क्षमता भी मजबूत करनी होगी। अरुणाचल प्रदेश से लगती चीन की सीमा पर मौजूदा तनाव को लेकर विदेश मंत्रालय का कहना है कि मुद्दों को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों की ओर से राजनयिक और सैन्य तंत्र का उपयोग किया जा रहा है। मगर, चुनौती केवल सीमा तक सीमित नहीं है, चीन की ओर से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दबदबा बढ़ाने का प्रयास, अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणालियों का विस्तार और सीमा पार से साइबर सुरक्षा से जुड़े जोखिम भी भारत के लिए रणनीतिक चिंताएं पैदा करते हैं। इसलिए भारत की तैयारी ऐसी होनी चाहिए कि वह किसी एक क्षेत्र में तकनीकी बढ़त पर निर्भर रहने के बजाय सभी मोर्चों पर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सके।

पाती

त्योहार से पहले बाजारों में हो पार्किंग की व्यवस्था

दीपावली के त्योहार से पहले शहर के बाजारों में खरीदारी करने वालों की भीड़ बढ़ने लगी है। ऐसे में सबसे बड़ी समस्या वाहनों की पार्किंग को लेकर होती है। लोग अपने वाहन लेकर बाजारों में पहुंचते हैं, लेकिन पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं होने से सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं। इससे यातायात बाधित होता है और जाम की स्थिति बन जाती है। दुकानदारों के साथ ग्राहकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। नगर निगम और यातायात पुलिस को संयुक्त रूप से बाजारों के आसपास खाली स्थानों पर अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही, पार्किंग स्थलों के संकेतक लगाए जाएं और यातायात व्यवस्था संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। इससे त्योहार पर खरीदारी करने आने वाले लोगों को राहत मिलेगी।

■ रवि बत्रा

आज का इतिहास

- 1795 : अमेरिका और स्पेन के बीच पिंकनी की संधि पर हस्ताक्षर किए गए। इस संधि की बदौलत अमेरिका को मिसिसिपी नदी में नौवहन का अधिकार मिला।
- 1811: सिलाई मशीन का अविष्कार करने वाले आइजक मेरिट सिंगर का जन्म। उनके इस अविष्कार से हाथ से होने वाला कपड़ों की सिलाई का काम आसान हो गया।
- 1920: देश के 10वें और पहले दलित राष्ट्रपति के. आर. नारायण का जन्म।
- 1978 : मिस्र के अनवर सादात और इस्राइल के मेनाखेम बेगिन को शांति स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देने पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 1995 : यूक्रेन के कीव क्षेत्र में स्थित चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र को कुछ सुरक्षा संबंधी खामियों के कारण पूर्णतः बन्द किया गया।
- 2004 : अमेरिका में बोस्टन की पेशेवर बेसबॉल टीम द बोस्टन रेड सॉक्स ने 86 बरस में पहली बार विश्व श्रृंखला जीती।
- 2017 : कातालूनिया की संसद ने स्पेन से आजादी संबंधी प्रस्ताव को मंजूर किया और सरकार को बर्खास्त करके नये चुनाव कराने के फैसले पर मुहर लगाई।
- 2021 : उच्चतम न्यायालय ने पेगासस जासूसी मामले में जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाई।
- 2021 : भारत ने 5,000 किलोमीटर तक मारक क्षमता वाली अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण किया।
- 2021 : चीन ने ठोस ईंधन से चलने वाले सस्ते एवं छोटे रॉकेट कुआझोउ-1 ए से एक ऑप्टिकल सुदूर संवेदी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया।
- 2021 : वाशिंगटन ने सार्वजनिक क्षेत्र की चीनी दूरसंचार कंपनी चाइना टेलीकॉम लिमिटेड को अमेरिकी बाजार से निष्कासित किया।

गति शक्ति : विकास की नई प्रशासनिक सोच

श्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में अपने 25 वर्षों के दौरान केंद्र और राज्य में निर्वाचित सरकारों के प्रमुख के रूप में, पहले गुजरात और बाद में पूरे देश में बुनियादी ढांचे के बड़े विस्तार में अग्रणी भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में सड़कों, बिजली, बंदरगाहों और कनेक्टिविटी में गुजरात का



■ राजीव गौबा

रूपांतरण राज्य की विकास गाथा का महत्वपूर्ण हिस्सा बना। राष्ट्रीय स्तर पर बुनियादी ढांचे का परिवर्तन उल्लेखनीय रहा है। भारत का हवाई अड्डा नेटवर्क वर्ष 2014 के 74 से बढ़कर 165 हो गया है। आज दरभंगा और गया जैसे शहरों से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु के लिए भी दैनिक उड़ानें उपलब्ध हैं। रेलवे प्रणाली में समर्पित माल गलियारों और विद्युतीकरण से लेकर वंदे भारत ट्रेनों तथा पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों तक व्यापक आधुनिकीकरण हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार हुआ है और नए एक्सप्रेसवे, बंदरगाहों तथा मेट्रो प्रणालियों ने देश के संपर्क परिदृश्य को बदल दिया है।

भारत की लॉजिस्टिक्स निष्पादन रैंकिंग वर्ष 2014 के 54वें स्थान से सुधरकर 2023 में 38वें स्थान पर पहुंच गई है। लॉजिस्टिक्स लागत घटकर सकल घरेलू उत्पाद का 7.97 प्रतिशत रह गई है। हालांकि इन परिवर्तनों ने पर्याप्त ध्यान आकर्षित किया है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी के शासन में एक और मौलिक बदलाव आया है। वह है बुनियादी ढांचे की अवधारणा, योजना और क्रियान्वयन के तरीके में परिवर्तन।

पहले प्रत्येक मंत्रालय, विभाग या एजेंसी अपनी परियोजनाओं के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाती थी। किंतु नागरिकों और कंपनियों को बुनियादी ढांचे का अनुभव विभागीय आधार पर नहीं होता। काम पर जाने वाला युवा, मंडी तक फसल पहुंचाने वाला किसान या आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन करने वाला विनिर्माता सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, पानी और बिजली पर एकीकृत व्यवस्था के रूप में निर्भर करता है। इस श्रृंखला की एक कड़ी भी कमजोर होने पर अन्य निवेशों का प्रतिफल और जीवन की सुगमता प्रभावित होती है। किसी राजमार्ग का अर्थ नहीं, यदि उसके लक्षित बंदरगाह पर बाधा हो। औद्योगिक पार्क विश्वसनीय बिजली और पानी के बिना अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर सकता। हवाई अड्डा भी अपने क्षेत्र से मजबूत संपर्क के अभाव में आर्थिक संभावनाओं को साकार नहीं कर सकता।

मेरे अनुभव में, बुनियादी ढांचे के प्रबंधन की कठिनाइयां प्रायः किसी एक गलत निर्णय से नहीं, बल्कि अनेक ऐसे निर्णयों से उत्पन्न होती हैं, जो अलग-अलग उचित होने के बावजूद अपेक्षित समग्र परिणाम नहीं दे पाते। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस चुनौती को समझा। किसी परिसंपत्ति के निर्माण के लिए जिम्मेदार विभाग के दृष्टिकोण से बुनियादी ढांचे को देखने के बजाय उन्होंने उस व्यापक परिणाम पर ध्यान केंद्रित किया, जिसे हासिल करना है। परिणाम-उन्मुख और नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण उनके प्रशासन की पहचान रहा है।

गुजरात में उनके कार्यकाल के दौरान इस दृष्टिकोण की शुरुआत दिखाई देती है। वहां बुनियादी ढांचे की योजना विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं और उनसे जुड़ी आर्थिक गतिविधियों के अनुरूप बनाई गई। प्रगति पथ, प्रवासी पथ, विकास पथ और किसान पथ जैसी पहलें अलग-अलग संपर्क आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गईं। धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र सहित अन्य निवेश क्षेत्रों के विकास में भूमि, बुनियादी ढांचे और संपर्क सुविधाओं को एक साथ लाने का प्रयास हुआ। उद्देश्य यह समझना था कि लोग कहां रहते हैं, उनकी आजीविका कहां है, उद्योग कहां विकसित हो सकते हैं और वस्तुओं का परिवहन कैसे होना चाहिए।

इस दृष्टिकोण में प्रौद्योगिकी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। गुजरात में बीआईएसएजी ने उपग्रह अनुप्रयोगों, भौगोलिक सूचना प्रणाली और स्थानिक योजना की क्षमताएं विकसित कीं। इससे भूमि, सड़कों, जल संसाधनों, बस्तियों, उद्योगों और अन्य बुनियादी ढांचे को एक साथ देखकर विकास की अधिक समग्र समझ विकसित करना संभव हुआ।

इसी पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय स्तर पर पीएम गति शक्ति का शुभारंभ हुआ। इसका महत्व केवल गुजरात में अपनाए गए तरीकों को दोहराने में नहीं, बल्कि भूगोल, बुनियादी ढांचे और आर्थिक गतिविधियों को परस्पर जोड़ने वाली प्रशासनिक सोच को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने में है। गति शक्ति ने केंद्र, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के विभिन्न मंत्रालयों को एक साथ लाकर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की एकीकृत योजना और समन्वित क्रियान्वयन के लिए संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण विकसित किया।

प्रश्न उठ सकता है कि क्या गति शक्ति से पहले सरकारी विभाग आपस में समन्वय नहीं करते थे? निस्संदेह, करते थे। किंतु परंपरागत रूप से समन्वय प्रायः तब शुरू होता था, जब परियोजना के दौरान कोई समस्या उत्पन्न हो जाती थी। सड़क के लिए रेलवे क्रॉसिंग, पाइपलाइन के लिए सड़क के साथ समन्वय अथवा किसी प्राधिकरण से मंजूरी की आवश्यकता पड़ने पर अंतर-विभागीय बैठकें होती थीं। गति शक्ति ने इस समन्वय को योजना के प्रारंभिक चरण में ही संभव बनाया।

अब योजनाकार जमीन पर काम शुरू होने से पहले ही परस्पर निर्भरताओं और संभावित बाधाओं की पहचान कर सकते हैं। सड़क बनाने से पहले यह देखा जा सकता है कि संबंधित गलियारे में अन्य कौन-सी परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने से पहले रेल, सड़क, बिजली, पानी और लॉजिस्टिक्स की आवश्यकताओं का आकलन किया जा सकता है। इससे परियोजनाओं की बेहतर योजना बनाने, लागत घटाने तथा भूमि अधिग्रहण और वन भूमि के उपयोग की आवश्यकताओं को कम करने में सहायता मिलती है।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान में 3,291 से अधिक डेटा परतों के माध्यम से 58 मंत्रालयों और विभागों की बुनियादी ढांचा योजना को एकीकृत किया गया है। अगस्त 2026 तक नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप के माध्यम से 18 लाख करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत वाली 396 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मूल्यांकन किया जा चुका है।

अब गति शक्ति का उपयोग परिवहन और बुनियादी ढांचे से आगे सामाजिक क्षेत्र में भी हो रहा है। दस लाख से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों की मैपिंग की गई है। कुछ राज्य इस मंच का उपयोग उन वंचित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कर रहे हैं, जहां नए विद्यालयों की आवश्यकता है।

योजना निर्माण चुनौती का केवल एक हिस्सा है; प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भूमि अधिग्रहण, वैधानिक मंजूरियों, उपयोगिताओं के स्थानांतरण और केंद्र-राज्य समन्वय जैसी बाधाएं परियोजनाओं में विलंब का कारण बनती हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रगति की परिकल्पना की गई। इसके अंतर्गत प्रधानमंत्री प्रत्येक महीने लगभग 25-30 परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं, जिसमें केंद्र सरकार के सचिव और राज्यों के मुख्य सचिव भाग लेते हैं। उच्चतम स्तर पर निरंतर निगरानी से जवाबदेही और तात्कालिकता बढ़ी है। इससे विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और राज्य सरकारों को उन समस्याओं के समाधान के लिए एक साथ लाने में सहायता मिली है, जिन्हें कोई एक प्राधिकरण अकेले हल नहीं कर सकता।

आज भारतीय कंपनियां वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, जहां लॉजिस्टिक्स लागत, विश्वसनीयता और आपूर्ति का समय उत्पाद की अंतिम कीमत को प्रभावित करते हैं। व्यापार समझौतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की बढ़ती भागीदारी के बीच कच्चे माल तथा तैयार वस्तुओं का कुशल परिवहन प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए लॉजिस्टिक्स लागत घटाने के लिए सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, जलमार्गों, गोदामों और औद्योगिक क्षेत्रों की एकीकृत योजना आवश्यक है।

अंततः, सार्वजनिक पद पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के कार्यकाल का महत्व केवल धरातल पर निर्मित परिसंपत्तियों तक सीमित नहीं है। इसका महत्व इस बात में भी है कि उन्होंने बुनियादी ढांचे के प्रति सरकार की सोच और दृष्टिकोण को नया स्वरूप दिया है। इसके परिणामस्वरूप सरकार ऐसी व्यवस्था के रूप में कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ी है, जो समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए नागरिकों को निर्बाध सेवाएं और बेहतर अनुभव प्रदान करने के साथ व्यापक अर्थव्यवस्था की उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

(लेखक नीति आयोग के सदस्य और भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट सचिव हैं।)

मानगढ़ के बलिदान को मिले राष्ट्रीय पहचान

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल बड़े नगरों, राजमहलों, प्रसिद्ध व्यक्तियों और आंदोलनों तक सीमित नहीं था। देश के जंगलों, पहाड़ों और दूरस्थ जनजातीय अंचलों में भी स्वतंत्रता, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष की गाथाएँ लिखी गईं। इन्हीं में राजस्थान के बांसवाड़ा



■ डॉ. दीपमाला रावत

जिले में स्थित मानगढ़ धाम का विशेष महत्व है। यह वह भूमि है, जहाँ 17 नवंबर 1913 को ब्रिटिश शासन की गोलियों ने ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार लगभग 1,500 से अधिक आदिवासियों के जीवन समाप्त कर दिए।

मानगढ़ धाम का इतिहास केवल नरसंहार का इतिहास नहीं है। यह आदिवासी समाज की अस्मिता, संगठन, सामाजिक सुधार, सांस्कृतिक चेतना और देश की स्वतंत्रता के लिए दिए गए बलिदान का प्रतीक है। इसलिए इसे राष्ट्रीय स्मारक बनाने की मांग भारतीय इतिहास में जनजातीय समाज के योगदान को समुचित पहचान दिलाने का प्रश्न है।

मानगढ़ धाम की ऐतिहासिक विरासत: राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में स्थित मानगढ़ पहाड़ी राजस्थान और गुजरात की सीमा पर है। इसका सांस्कृतिक और ऐतिहासिक प्रभाव बांसवाड़ा-डूंगरपुर से लेकर गुजरात तथा मध्यप्रदेश के जनजातीय अंचलों तक फैला है। यह किसी एक राज्य तक सीमित स्मृति-स्थल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य भारत के जनजातीय समाज की साझा ऐतिहासिक विरासत है।

इस क्षेत्र में आदिवासी समुदायों को लंबे समय तक बेगार, शोषण, अन्यायपूर्ण वसूली और सामाजिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। इन परिस्थितियों में गोविंद गुरु ने जनजातीय समाज को संगठित करने, सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने, नैतिक जीवन अपनाने और सामुदायिक एकता मजबूत करने का कार्य किया। उनके नेतृत्व में विकसित संप सभा ने आदिवासी समाज में आत्मसम्मान, संगठन और सामाजिक सुधार की चेतना जगाई।

गोविंद गुरु का योगदान केवल धार्मिक या सामाजिक नेतृत्व तक सीमित नहीं था। उनके विचारों ने शोषणकारी व्यवस्था को चुनौती दी और आदिवासी समाज में अधिकारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न की। मानगढ़ की धूणी आज भी उनके जनजागरण और सामुदायिक एकता की स्मृति को जीवंत बनाए हुए है।

17 नवंबर 1913 : मानगढ़ का ऐतिहासिक बलिदान: 17 नवंबर 1913 को गोविंद गुरु के नेतृत्व से प्रेरित बड़ी संख्या में भील आदिवासी मानगढ़ पहाड़ी पर एकत्रित हुए। ऐतिहासिक विवरणों में लगभग डेढ़ लाख लोगों के जुटने का उल्लेख मिलता है। ब्रिटिश सेना तथा रियासती बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलीबारी की। गजेटियर अभिलेख में लगभग 1,509 आदिवासियों के बलिदान का विवरण मिलता है।



इस घटना में पुरुषों के साथ महिलाओं और बच्चों ने भी प्राण गंवाए। उनके पास औपनिवेशिक शासन जैसी आधुनिक सैन्य शक्ति नहीं थी, लेकिन अपने स्वाभिमान, सामाजिक अधिकारों और स्वतंत्र जीवन की आकांक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता दृढ़ थी।

जनजातीय समाज के राष्ट्र के प्रति बलिदान का आकलन केवल जाति के आधार पर करना उसकी राष्ट्रभक्ति पर प्रश्नचिह्न लगाना है। आदिवासी समाज स्वतंत्रता के बाद केवल लाभार्थी या आरक्षण पाने वाला समाज नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण का सहभागी रहा है। उसने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संघर्ष में अपने प्राणों की आहुति दी। उसका बलिदान पूरे देश का बलिदान है, किसी एक जाति तक सीमित नहीं।

हम जलियांवाला बाग हत्याकांड को जानते हैं, लेकिन उससे लगभग छह वर्ष पहले हुए मानगढ़ नरसंहार को देश के व्यापक जनमानस में वह पहचान नहीं मिल पाई, जिसका वह अधिकारी है। मानगढ़ को प्रायः 'आदिवासी जलियांवाला' कहा जाता है। दोनों घटनाओं की परिस्थितियाँ अलग थीं, लेकिन वे औपनिवेशिक शासन की दमनकारी प्रवृत्ति की याद दिलाती हैं।

अंग्रेजी हुकूमत ने लोगों को मानगढ़ पहाड़ी पर एकत्रित न होने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद बड़ी संख्या में भील अपने परिवारों सहित वहाँ जुटे। औपनिवेशिक शासन की दमनकारी शक्ति के सामने उनका डटे रहना उनके साहस, सामूहिक चेतना और स्वाभिमान का प्रमाण है। उन्होंने अपने अधिकारों और स्वतंत्र जीवन की आकांक्षा के लिए प्राण न्योछावर कर दिए।

भीलों के शौर्य और पराक्रम से रक्तरंजित पवित्र मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग हर भारतीय की मांग होनी चाहिए। यह किसी जातीय आग्रह का परिणाम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कृतज्ञता, ऐतिहासिक न्याय और साझा स्मृति की मांग है।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम की पहल: मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग को व्यापक जनसमर्थन दिलाने की दिशा में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम ने पहल की है। अक्टूबर 2026 में आश्रम के केंद्रीय कार्यकारी मंडल ने मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने तथा उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के अनुरूप संरक्षण एवं विकास सुनिश्चित करने की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया। साथ ही विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की पाठ्य-पुस्तकों में मानगढ़ के इतिहास को उचित स्थान देने का आग्रह किया गया।

राष्ट्रीय स्मारक के रूप में मानगढ़ का महत्व: मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करना आदिवासी बलिदान को राष्ट्रीय इतिहास में उचित स्थान देने, गोविंद गुरु के विचारों और सामाजिक सुधार की परंपरा को आगे बढ़ाने तथा उपेक्षित ऐतिहासिक प्रसंगों के दस्तावेजीकरण की दृष्टि से आवश्यक है। इससे राष्ट्रीय एकता, साझा विरासत और जनजातीय समाज के आत्मसम्मान को मजबूती मिलेगी।

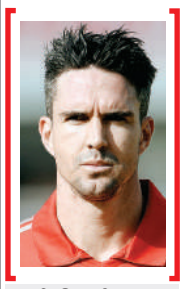
राष्ट्रीय स्मारक के रूप में विकसित मानगढ़ भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत पाठशाला बन सकता है। विद्यार्थी केवल तिथियाँ और नाम नहीं पढ़ेंगे, बल्कि समझ सकेंगे कि स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के लिए लोगों ने कितनी बड़ी कीमत चुकाई। ऐसा स्मारक इतिहास को किसी एक समुदाय की सीमा में बाँधने के बजाय राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनाएगा। यह नई पीढ़ी को संविधान के मूल्यों, समानता, सामाजिक सद्भाव, देशप्रेम और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने के साहस से भी परिचित कराएगा।

मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय पहचान देना केवल अतीत के बलिदानियों को श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों को उनके इतिहास, स्वाभिमान और राष्ट्र के प्रति योगदान से परिचित कराने का संकल्प है। मानगढ़ के बलिदान को राष्ट्रीय स्मृति में उचित स्थान देना इतिहास के प्रति न्याय और राष्ट्र की कृतज्ञता का दायित्व है।

(लेखिका जनजातीय मामलों की विशेषज्ञ हैं।)

नया भारत, जिसे दुनिया देख रही है

पहली बार 2003 में भारत आया था। उस समय नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में दो वर्ष पूरे कर चुके थे। हाल ही में मुझे पता चला कि उन्होंने सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। किसी भी लोकतंत्र में यह असाधारण उपलब्धि है।



■ केविन पीटरसन

ब्रिटेन में, जहाँ से मैं आता हूँ, श्री मोदी के 2014 में भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद छह प्रधानमंत्री पद छोड़ चुके हैं।

मैंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा भारत आते-जाते बिताया है। यहाँ क्रिकेट खेला, देशभर में यात्राएँ कीं, असाधारण लोगों से मिला और दोस्त बनाए। एक बाहरी व्यक्ति होने के बावजूद मैंने भारत को करीब से बदलते देखा है। आज मुझे सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात देश में हर तरफ दिखाई देने वाला आत्मविश्वास है। यह घमंड नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं और भविष्य पर विश्वास है।

जब मैं पहली बार भारत आया था, तब यहाँ असीम प्रतिभा थी, लेकिन लोगों में अपनी पूरी क्षमता को लेकर एक तरह का संकोच भी दिखाई देता था। आज भारतीय बड़े सपने देखते हैं, कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं और अपने देश से अधिक अपेक्षाएँ रखते हैं।

यह बदलाव खेलों में स्पष्ट दिखाई देता है। भारतीय क्रिकेट में अब प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की गहराई असाधारण है। युवा खिलाड़ी पूरे विश्वास के साथ मैदान में उतरते हैं। फिटनेस, तैयारी और पेशेवर दक्षता के मानक बदल गए हैं। महिला क्रिकेट की प्रगति भी सुखद है। भारत में इसकी सफलता का प्रभाव दुनिया भर में महसूस किया जाता है। एथलेटिक्स, निशानेबाजी, कुश्ती, मुक्केबाजी, बैडमिंटन और हॉकी सहित अनेक खेलों में भारतीय खिलाड़ी अपनी पहचान बना रहे हैं। बेहतर सुविधाओं और खेल संस्कृति ने इस बदलाव को गति दी है। 'फिट इंडिया' जैसे प्रयासों ने भी लोगों को स्वास्थ्य और व्यायाम के प्रति जागरूक किया है। श्री मोदी की योग में रुचि भी मुझे प्रभावित करती है। योग भारत की प्राचीन परंपरा है, लेकिन आज वह आधुनिक जीवन का हिस्सा बनकर दुनिया भर में लोकप्रिय हो रहा है। 2014 में संयुक्त राष्ट्र में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस इसका उदाहरण है।

भारत का भौतिक रूप भी तेजी से बदला है। हवाई अड्डे, सड़कें, मेट्रो और सेवाओं के मानक बेहतर हुए हैं। पहले विदेशों में लोग भारत की गर्मी, भीड़ और खानपान की चर्चा करते थे। आज भारत की कोविड-19 वैक्सीन, अंतरिक्ष उपलब्धियों, स्टार्टअप और डिजिटल भुगतान की बात होती है। यहाँ तक कि रेहड़ी-पटरी वाले भी क्यूआर कोड से भुगतान स्वीकार करते हैं। यह बदलाव भारत की तकनीकी प्रगति का प्रमाण है।

भारत अब बड़े पैमाने पर सोचता है। गुजरात में दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम और सबसे ऊँची प्रतिमा इसका उदाहरण हैं। भारत दुनिया में नेतृत्व करना, प्रतिस्पर्धा करना, नवाचार करना और अपनी आवाज प्रभावी ढंग से उठाना चाहता है। प्रकृति मेरे दिल के करीब है। मैंने काजीरंगा में समय बिताया है और गैंडों के संरक्षण को लेकर भावुक हूँ। भारत ने गैंडों और बाघों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। चीतों की वापसी और एशियाई शेरों का संरक्षण भी उल्लेखनीय प्रयास हैं। 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' के माध्यम से भारत बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए विभिन्न देशों को एक मंच पर लाने की पहल कर रहा है। मुझे यह देखकर अच्छा लगता है कि तेज आर्थिक विकास के साथ भारत अपनी प्राकृतिक धरोहर की रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है।

2003 में भारत आने के बाद से हर यात्रा के साथ मेरा इस देश के प्रति प्रेम बढ़ा है। जब मुझसे पूछा जाता है कि मुझे भारत में सबसे अच्छा क्या लगता है, तो मेरा जवाब होता है—यहाँ के लोग। उनकी विशेषता यह है कि आधुनिक होने का अर्थ अपनी भारतीय पहचान से दूर होना नहीं है। यहाँ प्राचीन मंदिर और परंपराएँ आधुनिक तकनीक के साथ कदमताल करते हैं। युवा भारतीय परिवार, आस्था, त्योहारों और प्रकृति से जुड़े रहते हुए भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

पच्चीस वर्ष एक असाधारण पड़ाव है। मैं श्री मोदी को बधाई देता हूँ और उनके अच्छे स्वास्थ्य तथा जनसेवा के आगामी वर्षों के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं भारत में एक युवा क्रिकेटर के रूप में आया था। दो दशक से अधिक समय बाद भी हर यात्रा पर कुछ नया खोजता हूँ। आज भारत जानता है कि उसे कहाँ जाना है और उसे विश्वास है कि वह वहाँ पहुँच सकता है। इस यात्रा का साक्षी बनना अपने-आप में अद्भुत अनुभव है।

(लेखक इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान हैं।)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ''इंडिपेंडेंट भारत'' स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक जगदीश शर्मा, शर्मा प्रिन्टिग प्रेस रामपुर बगहा पो0 लक्ष्मीगंज जनपद कुशीनगर उ0 प्र0 274306 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
मोबाईल न0-90261 11001 संपादक जगदीश शर्मा प्रबंध संपादक मयंक कुमार सिंह Title code-UPHIN49987 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कुशीनगर होगा।

मुझे डरपोक किरदार पसंद नहीं आते फातिमा

फिल्म 'दंगल' में पहलवान गीता फोगट की दमदार भूमिका से बॉलीवुड में कदम रखने वाली फातिमा सना शेख इन दिनों 'हुंकार' को लेकर चर्चा में हैं। सिनेमा की दुनिया में एक दशक पूरा कर चुकीं फातिमा ने पर्दे पर हमेशा सशक्त लड़कियों को जीवंत किया है। फिर चाहे वह 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' की वॉरियर प्रिंसेस जाफिरा हो या 'मॉडर्न लव मुंबई' की लालजरी, 'धक धक' की बाइकर स्काई हो या फिर 'सैम बहादुर' में आयरन लेडी इंदिरा गांधी का रोल। 34 साल की फातिमा अपनी नई सीरीज 'हुंकारः द रोर' में भी तमाम चुनौतियों के बावजूद, सच का साथ देने वाली एसीपी जसलीन के रोल में हैं। बातचीत में फातिमा कहती हैं कि उन्हें मजबूत लड़कियों के किरदार ही लुभाते हैं। डरे-सहमे या नाजुक लड़की के करैक्टर उन्हें पसंद ही नहीं आते।

हैदराबाद में पैदा हुईं फातिमा सना शेख ने फिल्मी दुनिया में अपनी शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी। वह कमल हासन के साथ 1997 में 'चाचा 420' में नजर आईं, फिर शाहरुख खान के साथ 'वन टू का 4' में। असल जिंदगी में फोटोग्राफी और बाइकिंग का शौक रखने वाली फातिमा अपनी बेबाकी और दो टूक बातों के लिए भी मशहूर हैं। फिर चाहे मिर्गी की बीमारी ही क्यों न हो। एक्ट्रेस ने इस न्यूरोलॉजिकल बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कई बार अपने निजी अनुभवों के बारे में खुलकर बात की है।

सशक्त किरदार ही आकर्षित करते हैं

पर्दे पर अपने किरदारों के बारे में बात करते हुए वह कहती हैं, 'मैं आकर्षित ही ऐसे सशक्त किरदारों की ओर होती हूं। मुझे डरपोक या सहमे हुए किरदार पसंद ही नहीं आते। वैसे तो हमें जो चीजें ऑफर होती हैं, उन्हीं में से चुनना होता है, लेकिन ऑटोमैटिकली मेरा रुझान ऐसे ही किरदारों की ओर होता है। नसीब वाली हूं कि मुझे अच्छे किरदार मिले हैं। जैसे, इस शो में मैं पहली बार कॉप का रोल कर रही हूं। साथ ही जसलीन की जो बैकस्टोरी है, वो भी बहुत अपीलिंग है, इसलिए मैंने इसे किया।'

लड़कियों संग ज्यादती मुझे डिस्टर्ब करती हैं

सीरीज में फातिमा एक धर्मगुरु द्वारा दुष्कर्म का शिकार हुई एक ना बा लि ग लड़की को न्याय दिलाने के लिए लड़ती हैं। वहीं, समाज में बिहार के जमुई से लेकर राजधानी दिल्ली तक में लड़कियां ऐसी ज्यादती के खिलाफ लड़ रही हैं। जब फातिमा से पूछा गया कि वह खुद किस सामाजिक बुराई के खिलाफ हुंकार भरना चाहेंगी? जवाब मिला, 'आपने जैसे कहा कि इस तरह के केसेज बहुत ज्यादा होते हैं। वे कल भी हो रहे थे और आज भी हो रहे हैं। उससे इंसान निश्चित तौर पर डिस्टर्ब होता है। इसलिए, जब ऐसा किरदार निभाने का मौका मिलता है, जहां आप सच्चाई के साथ खड़े हैं। सच्चाई के लिए लड़ रहे हों तो वह सही चीज का प्रतिनिधित्व करना भी होता है।'



> "मैं आकर्षित ही सशक्त किरदारों की ओर होती हूं। मुझे डरपोक या सहमे हुए किरदार पसंद ही नहीं आते। वैसे तो हमें जो चीजें ऑफर होती हैं, उन्हीं में से चुनना होता है, लेकिन ऑटोमैटिकली मेरा रुझान ऐसे ही किरदारों की ओर होता है। नसीब वाली हूं कि मुझे अच्छे किरदार मिले हैं।"

फातिमा की दो टूक- लोग फेमिनिजम का सही अर्थ नहीं समझते

आजकल एक तबके के लोग फेमिनिजम को गलत और समाज को तोड़ने वाला करार देने लगे हैं। फातिमा सना शेख इसे लोगों की नासमझी मानती हैं। उनका कहना है, 'ये नासमझी है। उन्हें फेमिनिज्म का असली मतलब नहीं पता। फेमिनिजम लोगों, औरतों और मर्दों के लिए क्या कर रहा है, उन्हें उसकी समझ नहीं है। लोग अगर थोड़ा इसे समझने की कोशिश करें तो खुद-ब-खुद वे इसका पक्ष लेने लगेंगे। देखा जाए, तो गलती लोगों की भी नहीं है, क्योंकि अगर आप फेमिनिजम को बुरा-भला कहते हैं, तो उन्हें सपोर्ट किया जाता है। जबकि, फेमिनिजम क्या है, बराबरी का हक मांगना। इसका मतलब ये नहीं है कि मैं आपकी जगह लेना चाहती हूं। मैं नहीं लूंगी। मर्द और औरत दोनों अलग हैं। हमारी ताकत अलग है, हमारी कमजोरियां अलग हैं। जब दोनों को साथ लेकर चलेंगे, तब समाज अच्छा होगा। अगर एक सैक्शन को आप पीछे छोड़ देंगे तो अकेले कितने आगे जा पाएंगे।'

टीवी इंडस्ट्री की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस जेनिफर

छोटे पर्दे की पॉपुलर एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट हाल ही में 24 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर ऑनस्ट्रीम हुई रेन्सिल डी सिल्वा के निर्देशन में बनी सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' में परिणीति चोपड़ा के साथ 'साक्षी' के लीड रोल में नजर आ रही हैं। इसके पहले वह आखिरी बार, सोनी लिव पर ऑनस्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में करण वाही और रीम शेख के साथ अनुष्का रायसिंघानी के किरदार में दिखी थीं। जेनिफर को टीवी इंडस्ट्री की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस में से एक माना जाता है। उन्हें आमतौर पर टीवी धारावाहिक या वेब सीरीज के एक एपिसोड के लिए लगभग ढाई लाख रुपये मिलते हैं। अपनी खूबसूरती से सबको दीवाना बनाने वाली, टीवी की सबसे फैशनेबल और पॉपुलर एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट अपनी दमदार एक्टिंग के लिए पहचानी जाती हैं। फैंस उन्हें खूब पसंद करते हैं। उनके क्यूटनेस के अंदाज से लेकर उनके स्टाइल तक हर कोई उनकी अदा पर कायल है।

30 मई 1985 को मुंबई में पैदा हुई जेनिफर विंगेट की मां पंजाबी और पिता क्रिश्चिन धर्म स्वीकार कर चुके महाराष्ट्रियन हैं, लेकिन जेनिफर के नाम के कारण अक्सर उन्हें गैर-भारतीय मूल की एक्ट्रेस समझ लिया जाता है। जेनिफर विंगेट ने महज 10 साल की उम्र में आमिर खान स्टारर 'अकेले हम अकेले तुम' (1995) से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत की। उसके बाद वह रानी मुखर्जी की डेब्यू फिल्म 'राजा की आएगी बारात' (1997) में नजर आईं। 'कुछ ना कहो' (2003) में वह स्कूल जाने वाली लड़की पूजा की भूमिका में थीं।

17 की होते ही जेनिफर को टीवी सिरियल 'शाका लाका बूम बूम' (2002-03) की प्रिया का किरदार निभाने का अवसर मिला। उसके बाद 'कुसुम' (2003) की सिमरन, 'कोई दिल में है' (2003) की प्रीति वाले किरदार में जेनिफर को काफी पसंद किया गया। टीवी सीरियल 'कार्तिक' (2004) में जेनिफर ने एक ऐसी संघर्षरत सिंगर का रोल निभाया था जो आगे चलकर बड़ी सिंगर बनने का सपना देखती रहती है। यह उनके करियर का पहला बड़ा लीड रोल था। उसके बाद 'कसौटी जिंदगी' (2005-08) की स्नेहा बजाज, 'क्या होगा निम्मो का' (2006) की नताशा, 'कहानी घर घर की' (2006), 'कहीं तो होगा' (2007) की श्वेतलाना, 'संगम' (2007-09) की गंगा भाटिया, 'देख इंडिया देख' (2009) की होस्ट, 'जरा नच के दिखा' (2008) और 'कॉमेडी सर्कस 3' (2009) की कंस्टेंटैंट के जरिए जेनिफर लगातार आगे बढ़ती गईं।

जेनिफर ने 9 अप्रैल 2012 को बिपाशा बसु के वर्तमान पति एक्टर करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी हालांकि दोनों का रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल सका और शादी के करीब दो साल बाद साल 2014 में दोनों का तलाक हो गया। करण से तलाक के 12 साल बाद इस साल 16 जुलाई 2026 में जेनिफर ने अपने विदेशी बॉयफ्रैंड और बिजनेसमैन विलियम इश्माएल के साथ लंदन में क्रिश्चियन रीति-रिवाज के साथ शादी की। इस तरह वह अपनी पर्सनल लाइफ के एक नए अध्याय की शुरुआत कर चुकी हैं।



सोनाक्षी का गिरता-संभलता करियर

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल हाल ही में 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आए हैं। बीते दिनों में सोनाक्षी की कई फिल्में आईं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं कर पाई हैं। जानिए सोनाक्षी के अबतक के करियर के बारे में।

सलमान के साथ किया ड्रीम डेब्यू

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा अब तक 31 फिल्में कर चुकी हैं, जिनमें से कुछ हिट रहीं, तो वहीं ज्यादा फिल्म फ्लॉप साबित हुईं। सोनाक्षी ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'दबंग' (10 सितंबर 2010) के साथ की थी। इसमें उनके साथ सलमान खान नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी और इसने 138.88 करोड़ का कलैक्शन किया था।

इसी तरह सोनाक्षी की शुरुआती 5 फिल्मों में से 'जोकर' छोड़कर बाकी चार बड़ी हिट रहीं...

साल 2012 सोनाक्षी के लिए काफी खास रहा। इस साल अपनी झोली में चार सुपरहिट फिल्में डालकर वह भारत की लीड एक्ट्रेसेज में शामिल हो गईं। लेकिन करियर के शुरुआती वर्षों में मिली ये शोहरत ज्यादा समय तक नहीं रह सकी।

2013 के बाद आया डाउनफॉल

2012 में जहां सोनाक्षी की लगभग सभी फिल्में हिट रहीं, वहीं उनके करियर का ग्राफ 2013 के बाद से ऐसा गिरा की उठ ही नहीं पाया। 2013 के बाद सोनाक्षी ने करीब 20 फिल्में की, जिनमें से एक-दो को छोड़कर सभी फ्लॉप साबित हुईं।

2012 के बाद सोनाक्षी ने खुद सिंगल लीड के तौर पर भी कुछ फिल्में की, जैसे- 'अकीरा', 'निकिता रॉय', लेकिन वो भी नहीं चल पाईं। इन फिल्मों में सोनाक्षी ने कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया। कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं।



लेकिन 2012 के बाद उनके करियर में ऐसा ही एक और चमत्कारी साल वापस नहीं आ पाया और ये सभी बड़ी फिल्में फ्लॉप रहीं।

कुछ फिल्मों से मिली उम्मीद

हालांकि कुछ फिल्में थीं, जिन्होंने सोनाक्षी सिन्हा की उम्मीदें जगाई रखीं। इनमें 2014 में आई 'हॉलीडेः ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी', 2019 में आई 'दबंग 3' और मल्टीस्टारर फिल्म 'मिशन मंगल' हिट रहीं। वहीं 2013 में आई 'आर. राजकुमार' और 2017 में आई 'इत्तेफाक' सेमी-हिट रही, लेकिन 2012 के बाद सोनाक्षी के लिए कोई भी साल खास साबित नहीं हुआ।

शादी की वजह से हुई ट्रोल

सोनाक्षी और जहीर इकबाल ने 7 साल के रिश्ते के बाद 23 जून 2024 को सिविल मैरिज कर ली थी। यह घर पर हुई रजिस्टर्ड शादी थी, जिसमें सिर्फ परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शामिल हुए। इसके बाद दोनों ने मुंबई में शानदार रिसैप्शन दिया था।

हालांकि शादी के कुछ समय बाद तक एक्ट्रेस को दूसरे धर्म में शादी करने के चलते ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था, लेकिन कपल ने इन ट्रोलिंग्स पर ध्यान नहीं दिया।

क्या हालिया रिलीज फिल्म बदलेगी करियर?

अब पति अभिनेता जहीर इकबाल के साथ 'तू है मेरी किरण' फिल्म के साथ एक बार फिर सोनाक्षी सिनेमाघरों में लौटी हैं। फिल्म का लेखन और निर्देशन करण रावल ने किया है। इसमें जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य किरदारों में नजर आए हैं। फिल्म का निर्माण सर्वेश गोयल, अश्वनी कुमार, मनोज दराक और नृपाल पटेल ने मिलकर किया है। अब देखना होगा कि यह फिल्म सोनाक्षी के करियर में कोई बदलाव ला पाती है या पिछली फिल्मों की तरह ये भी उनकी फिल्मों की लिस्ट में बस एक और नाम जोड़ने का काम करेगी।

संक्षिप्त समाचार

वॉकी-टॉकी बिक्री में बड़ी लापरवाही, 12 कंपनियों पर 58 लाख का जुर्माना



नई दिल्ली। उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने वॉकी-टॉकी की ऑनलाइन बिक्री में ग्राहकों को गुमराह करने और आवश्यक जानकारी न देने के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने होगार टेक्नोलॉजीज सहित कुल 12 कंपनियों पर 58 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसमें अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे दिग्गज भी शामिल हैं। सीसीपीए ने वॉकी-टॉकी बेचने वाली कंपनी होगार टेक्नोलॉजीज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

बिहार के जिलों में अगेती चना की खेती को बढ़ावा



पटना। बिहार में चना की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए कृषि विभाग की ओर से किसानों को आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया गया है। राज्य में चना की अगेती किस्म की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को बीज दिया जाएगा। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने, रबी मौसम में हरे चने के उत्पादन को प्रोत्साहित करने और बाजार की मांग के अनुरूप इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग की ओर से हरे चने की अगेती किस्म का विशेष कार्यक्रम (डेमोंस्ट्रेशन प्रोग्राम) चलाया जा रहा है।

शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट के बाद शेयर बाजार ने की जोरदार वापसी

सेंसेक्स 483 अंक चढ़ा, निफ्टी 22,753 के पार

■ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को शुरुआती गिरावट के बाद तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 482.92 अंक (0.66 प्रतिशत) चढ़कर 73,606.75 अंक पर बंद हुआ।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 153.20 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त में 22,753.20 अंक पर पहुंच गया।सेंसेक्स 134 अंक टूटकर 72,990.04 अंक पर खुला और कुछ ही देर में 600 अंक से अधिक की गिरावट में चला गया। हालांकि इसके बाद सूचकांक ने हरे निशान में वापसी की और कारोबार की समाप्ति तक 73,606.75 अंक तक चढ़ने के बाद उसी स्तर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल आज डेढ़ प्रतिशत टूटकर 115 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गया। साथ ही विदेशों में अधिकतर प्रमुख शेयर बाजार हरे निशान में रहे। इन दोनों कारकों से घरेलू शेयर बाजारों में निवेश धारणा मजबूत हुई।वृहत बाजार में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.25 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.38 प्रतिशत मजबूत हुआ।



मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को छोड़ सभी समूहों में तेजी

सेक्टर आधारित सूचकांकों में मीडिया और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों को छोड़कर अन्य सभी समूहों में तेजी रही। निफ्टी मेटल सूचकांक 2.21 प्रतिशत ऊपर रहा। फार्मा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस समूहों में एक से दो प्रतिशत तक की तेजी रही। आईटी, ऑटो, बैंकिंग, वित्त, रियल्टी और एफएमसीजी समूहों के सूचकांक भी हरे निशान में रहे।एनएसई में जिन 3,681 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,062 के शेयरों में तेजी और 1,525 में गिरावट रही। अन्य 94 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख, यूरोपीय बाजारों में तेजी

वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.80 फीसदी टूट गया। हांगकांग का हैंग सेंग 0.51 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.19 प्रतिशत मजबूत हुआ। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.81 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.44 फीसदी ऊपर था।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 के शेयर बढ़त में रहे। अडानी पोर्ट्स का शेयर 2.72 प्रतिशत, इटरनल का 2.56 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा बैंक का 2.53 प्रतिशत ऊपर रहा। ट्रेंट का शेयर 1.73 फीसदी, टाटा स्टील का 1.52, भारती एयरटेल का 1.43, इंडिगो का 1.39, आईटीसी का 1.24, बजाज फिनसर्व का 1.15 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.01 प्रतिशत मजबूत हुआ। अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, एलएंडटी, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, टीसीएस और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी ऊपर बंद हुए।बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरावट में रहे।

रुपया पांच पैसे टूटकर 94.98 प्रति डॉलर पर

पश्चिम एशिया में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भू-राजनीतिक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे टूटकर 94.98 प्रति डॉलर पर आ गया। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़?ने के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने से बचने की प्रवृत्ति के कारण रुपये की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। हालांकि, अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी कोष बॉन्ड के प्रतिफल में नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.92 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह और कमजोर होकर 94.98 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे कम है।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस की बड़ी पहल

हस्तशिल्प को बढ़ावा देने 'द आभार कलेक्शन' डिजिटल स्टोर का विस्तार

■ सरकारी ऑनलाइन बाजार मंच पर 'द आभार कलेक्शन' में स्थानीय कारीगरों के 294 हस्तशिल्प उत्पाद शामिल

■ नई दिल्ली



सरकारी ई-बाजार मंच (जेम) ने हस्तशिल्पियों के उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए अपने मंच पर 'द आभार कलेक्शन' नाम से चलाए जा रहे डिजिटल स्टोर का विस्तार किया है। यह सरकारी खरीदारों के लिए डिजिटल खरीद मंच है।

त्योहारी उपहारों के इस सीजन के शुरू होने से पहले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले जेम पोर्टल ने बताया है कि इस कलेक्शन में 10 राज्य और केंद्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प एम्पोरियम के 294 उत्पाद कैटलॉग शामिल हैं। इनमें सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम का 'कॉटेज', खादी और ग्रामोद्योग आयोग का 'खादी इंडिया', 'गर्वी गुर्जरी' (गुजरात), 'हिमक्राफ्ट्स' (हिमाचल प्रदेश), 'झारक्राफ्ट' (झारखंड), 'कावेरी' (कर्नाटक), 'मृगनयनी' (मध्य प्रदेश), 'मरहाटी' (महाराष्ट्र), 'पूर्बश्री' (पूर्वोत्तर) और 'पूमपुहार' (तमिलनाडु) शामिल हैं। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि सात अन्य सरकारी एम्पोरियम और संगठन भी ' द आभार कलेक्शन' स्टोर विक्रेता के रूप में जुड़ने जा रहे हैं। इनमें कॉफी बोर्ड, 'मंजूषा' और 'बिस्वा बांग्ला' (पश्चिम बंगाल), जम्मू-कश्मीर हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट्स मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, 'मेराकाई' (नागालैंड), 'उत्कलिका' (ओडिशा) और 'पंथोइबी' (मणिपुर) शामिल हैं।

जेम का कहना है कि इनके उत्पाद कैटलॉग जुड़ने से इस कलेक्शन में क्षेत्रीय विविधता और उत्पादों की रेंज और भी बढ़ेगी। सरकारी विभाग और उपक्रम 'द आभार कलेक्शन' स्टोर से देश के विभिन्न क्षेत्रों के कुशल दस्तकारों द्वारा निर्मित चुनिंदा उपहार और उपहारों के सेट खरीद सकते हैं। ये उत्पाद देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। इस कलेक्शन में 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) पहल और 'ज्योग्राफिकल इंडिकेशन' (जीआई) टैग से जुड़े उत्पाद शामिल हैं। जेम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिहिर कुमार ने कहा कि द आभार कलेक्शन स्वदेशी कला और शिल्प की पहचान बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे सरकारी खरीदारों को अलग-अलग क्षेत्रों के खास उत्पादों तक आसान पहुंच मिलती है, साथ ही कारीगरों, बुनकरों, ग्रामीण उद्यमियों और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को भी समर्थन मिलता है। 'द आभार कलेक्शन' पहल की शुरुआत पर जीईएम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि आभार कलेक्शन स्वदेशी कला और शिल्प की पहचान बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिस्किट कंपनी पर 1 लाख का जुर्माना

■ नई दिल्ली

देश की प्रमुख एफएमसीजी और बेकरी कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड को अपने एक लोकप्रिय उत्पाद के प्रचार में भ्रामक दावा करना भारी पड़ गया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कंपनी के 100% होल वीट ब्रेड वाले विज्ञापन को उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाला पाते हुए ब्रिटानिया पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मुख्य आयुक्त निधि खरे की अध्यक्षता वाली अथॉरिटी ने कंपनी को यह भ्रामक विज्ञापन सभी प्लेटफॉर्म्स से तुरंत हटाने और 15 दिनों में अनुपालन रिपोर्ट पेश करने निर्देश दिए हैं। पैक्ड फूड इंडस्ट्री में विज्ञापनों की सत्यता और उपभोक्ता अधिकारों के लिहाज से इस फैसले को बेहद अहम माना जा रहा है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज पर '100% होल वीट ब्रेड' के भ्रामक विज्ञापन और प्रचार रणनीति के लिए 1 लाख का जुर्माना लगाया है।

हुंडई ने भारतीय बाजार में उतारा इंटेलिजेंट एसयूवी बेयॉन

■ शुरुआती कीमत 9,99,900 रुपए रखी

■ नई दिल्ली



हुंडई मोटर इंडिया (एचएमआईएल) ने सोमवार को इंटेलिजेंट यूटिलिटी व्हीकल 'हुंडई बेयॉन' बाजार में पेश की। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 9,99,900 रुपये रखी गई है। कंपनी ने बताया कि हुंडई बेयॉन में भविष्योन्मुखी कनेक्टिविटी, अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली और दमदार प्रदर्शन मिलता है। यह वास्तव में एक इंटेलिजेंट यात्रा का अनुभव प्रदान करता है।

हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा, ' हुंडई बेयॉन का लॉन्च भारत में हुंडई के अगले 'गोल्डन प्रोडक्ट साइकिल' की शुरुआत है। यह सिर्फ एक नया एसयूवी नहीं है, यह हमारी उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत हम ऐसे इंटेलिजेंट और भविष्योन्मुखी परिवहन समाधान पेश करते हैं जो भारतीय ग्राहकों की उम्मीदों पर खरे उतरते हैं।

सोना 1,42,450 प्रति 10 ग्राम व चांदी 1,96,350 रु. प्रति किलोग्राम बिकी

■ नई दिल्ली



पिछले सप्ताह जोरदार बिकवाली के दबाव में सोने चांदी की कीमतें काफी गिर गई थी। जिससे इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को निचले स्तर पर खरीद से इनकी शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि अभी भी सोना तीन के माह के निचले स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी 2 लाख रुपये से नीचे कारोबार कर रही है। सोमवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव 4,025 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 54.30 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 1,42,450 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,96,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 277 रुपये की तेजी के साथ 1,42,301 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,42,024 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 416 रुपये की तेजी के साथ 1,42,440 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 538 रुपये की तेजी के साथ 1,96,257 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,95,719 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 656 रुपये की तेजी के साथ 1,96,375 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।

दिल्ली थोक जिंस बाजार

शकर में हल्की गिरावट, गुड़ के दाम स्थिर गेहूं-चावल और दालों की कीमतों में तेजी

■ नई दिल्ली







घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को शकर की कीमतों में गिरावट देखी गई। वहीं, चावल और चीनी के भाव चढ़ गए जबकि दालों और खाद्य तेलों में मिश्रित रुख रहा।मीठे के थोक बाजार में शकर की औसत कीमत पांच रुपए टूटकर 5,439 रुपये प्रति क्विंटल बोली गई। गुड़ 5,971 रुपये प्रति क्विंटल पर कमोबेश स्थिर रहा।

खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत दो पैसे बढ़कर 58.62 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत छह रुपये बढ़कर 4,314 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं चार रुपये महंगा हुआ और 2,914 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। वहीं, आटे का भाव 19 रुपये टूट गया।दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 19 रुपये और मसूर दाल की नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। उड़द दाल 32 रुपये और चना दाल 10 रुपये सस्ती हुई। मूंग दाल में भी पांच रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गई।मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज पाम ऑयल का जनवरी वायदा 25 रिंगिट टूटकर 4,793 रिंगिट प्रति टन रह गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.87 प्रतिशत गिरकर 66.25 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 134 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल में 91 रुपये और सरसों तेल में 84 रुपये की तेजी रही। सूरजमुखी तेल 60 रुपये और सोया तेल 21 रुपये महंगा हुआ। वनस्पति तीन रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया।सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे।

दाल-दलहन: दाल चना 8,569.48 रुपये, मसूर काली 8256.36 रुपये, मूंग दाल 10512.91 रुपये, उड़द दाल 11648.26 रुपये, तुअर दाल 12376.03 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2913.88 रुपये और चावल 4313.52 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3358.69 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 5438.76 रुपये और गुड़ 5970.93 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 19657.13 रुपये, मूंगफली तेल 20066.32 रुपये, सूरजमुखी तेल 18288.35 रुपये, सोया तेल 15849.58 रुपये, पाम ऑयल 14555.41 रुपये और वनस्पति 15963.31 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

एनएसडीसी ने जीरो कूपन बॉन्ड के ज़रिए चार करोड़ जुटाए

■ एनएसई के सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर हुआ सूचीबद्ध

■ मुंबई

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सोशल स्टॉक एक्सचेंज (एसएसई) पर पहली बार शून्य कूपन शून्य मूलधन (जेडसीजेडपी) को जारी कर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से चार करोड़ रुपये जुटाए हैं। राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर एनएसडीसी की शुरुआत के अवसर पर घंटी बजाई। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक ने कौशल विकास और वैश्विक रोजगार के अवसरों पर केंद्रित एक नयी पहल के लिए चार करोड़ रुपये का योगदान दिया है। इस कार्यक्रम के तहत मध्य प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर अन्य पिछड़ा वर्ग के 600 युवाओं को सहायता दी जाएगी और उन्हें विदेश में रोजगार के अवसरों के लिए तैयार किया जाएगा।

'भारत की प्रगति के साथ उसके लोगों में निवेश भी होना चाहिए। सरकार अनुकूल माहौल तैयार कर सकती है, लेकिन बड़े पैमाने पर विकास के लिए सार्वजनिक संस्थानों, निजी निवेशकों और दानदाताओं को मिलकर काम करना होगा। सोशल स्टॉक एक्सचेंज इस सामूहिक प्रतिबद्धता को विश्वसनीय परियोजनाओं, पारदर्शिता और सत्यापित परिणामों से जोड़ता है।लगभग 11.25 करोड़ रुपये के बजट वाले इस कार्यक्रम में वित्तपोषण के तीन पूरक स्रोतों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम की कुल लागत का 15 प्रतिशत हिस्सा लाभार्थियों के योगदान से आएगा, जबकि 35 प्रतिशत राशि सोशल स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से जुटाई जाएगी।

इथेनॉल निर्माताओं ने बढ़ती लागत को लेकर जताई चिंता

ई20 इथेनॉल आपूर्ति पर मंडरा रहे संकट के बादल

■ नई दिल्ली



इथेनॉल निर्माताओं ने कच्चे माल और ईंधन की बढ़ती लागत के बीच ई20 कार्यक्रम के लिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर सोमवार को चिंता जाहिर की। देश के डिस्टीलरी उद्योग की कंपनियों के शीर्ष संगठन 'आयडा' की यहां आयोजित वार्षिक आम सभा में मक्के का मूल्य बढ़ने और इस बीच सरकार द्वारा मक्के से बने इथेनॉल के खरीद मूल्य में कटौती को लेकर चिंता जाहिर की गई। इसमें कहा गया कि एक तरफ चीनी की कमी के बीच इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने के इस्तेमाल पर रोक लगा देने से उत्पादन कम हो गया है। दूसरी तरफ, सरकार ने मक्के के दाम बढ़ने के बावजूद इससे बनने वाले इथेनॉल की खरीद कीमत में तीन रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। इससे निकट भविष्य में आपूर्ति संबंध बाधा पैदा हो सकती है।

आयडा के अध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने वार्षिक आम सभा के बाद 'यूनीवार्ता' से बातचीत में कहा कि गन्ने से इथेनॉल बनाने पर प्रतिबंध लगाने से सालाना 200 करोड़ लीटर की उपलब्धता कम होगी। इसकी आपूर्ति मक्के से अधिक इथेनॉल बनाकर की जा सकती है, लेकिन मक्के की बढ़ी हुई कीमत और उससे बने इथेनॉल के दाम घटाने से उद्योग में इसके लिए नकारात्मक संकेत गया है। उन्होंने बताया कि पिछले साल मक्का करीब 19 रुपये प्रति किलोग्राम पर उपलब्ध था जिसकी कीमत इस साल लगभग 27 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, सरकार ने मक्के से बने इथेनॉल की कीमत में तीन रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। इससे नकारात्मक असर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने पिछले सप्ताह इथेनॉल के खरीद मूल्यों की घोषणा की है। यह वह दर है जिस पर तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल में मिलने के लिए इथेनॉल खरीदती हैं। मक्के से बने इथेनॉल की कीमत 71.86 रुपये से घटाकर 68.86 रुपये प्रति लीटर की गई है।

इथेनॉल निर्माण की लागत लगभग 15 प्रतिशत बढ़ी

श्री सिंह ने कहा कि डिस्टीलरी उद्योग मक्के से बने इथेनॉल की कीमत 75 रुपये प्रति लीटर करने की मांग कर रहा है ताकि बढ़ती लागत के दबाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण पहले ही अनाजों के दाम बढ़ रहे हैं। ईंधन और श्रम की लागत भी बढ़ रही है। कुल मिलाकर इथेनॉल निर्माण की लागत तकरीबन 15 प्रतिशत बढ़ी है। इससे पहले, गन्ना एवं खाद्य तेल निदेशालय में निदेशक अरविंद कुमार रावत ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार को सभी हितधारकों का ध्यान रखना होता है। उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता किसानों के हितों का संरक्षण है।

ई-20 ईंधन आपूर्ति और फ्लेक्सी फ्यूल वाहनों का भविष्य

श्री सिंह ने कार्यक्रम में मौजूद उद्योग शीर्ष अधिकारियों से अपील की कि वे ई-20 के लिए आवश्यक 1,100 करोड़ लीटर की सालाना आपूर्ति सुनिश्चित करने का पूरा प्रयास करें। उन्होंने सरकार ने ई-20 ईंधन के बाद देश में फ्लेक्सी फ्यूल वाहनों को प्रोत्साहित करने की मांग की। यह पूछे जाने पर कि यदि मक्के से बने इथेनॉल के खरीद मूल्य नहीं बढ़ाये जाते हैं तो क्या उद्योग आपूर्ति कम कर सकता है, श्री सिंह ने कहा कि यह दूर की बात है। अगले एक-दो महीने में स्थिति और स्पष्ट होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आपूर्ति कम होने की स्थिति में सरकार जरूर कोई नीतिगत बदलाव करेगी।

एसबीआई ने किया साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

■ मुंबई

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सोमवार को अपने 'साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र' के उद्घाटन की घोषणा की।बैंक ने बताया कि यह केंद्र साइबर नीति, साइबर अकादमी, नवाचार, अनुसंधान, थ्रेट इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा क्षमताओं को एक ही रणनीतिक मंच पर एक साथ लाता है। यह पहल वित्तीय क्षेत्र में साइबर सुरक्षा मजबूत करने और डिजिटल लचीलापन बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसका मुख्य उद्देश्य उभरते खतरों का पहले से अनुमान लगाना और एक सुरक्षित डिजिटल वित्तीय इकोसिस्टम तैयार करना है।



उल्लेखनीय है कि महज पांच दिन पहले ही एसबीआई ने उसके कुछ ग्राहकों के निजी डेटा डार्क वेब पर लीक होने की पुष्टि की थी। उसने 21 अक्टूबर को शेयर बाजार को बताया था कि उसके करीब पौने चार लाख ग्राहकों के डाटा डार्क वेब पर उपलब्ध थे जिनमें 3,800 से अधिक खातों के निजी डेटा लीक होने की जांच में पुष्टि हो चुकी है।'साइरिस' उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया ने किया। इस अवसर पर एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी भी मौजूद थे। 'जैसे-जैसे देश का वित्तीय पारितंत्र डिजिटल होता जा रहा है, नवाचार के साथ-साथ साइबर साइबर सुरक्षा को मजबूत करना भी जरूरी है। साइरिस पूरे पारितंत्र में क्षमताओं, सहयोग और तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में एक समयोचित पहल है। इस केंद्र के जरिए साइबर नीति को मजबूत करने, प्रतिभा और जागरूकता विकसित करने, नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने, तथा साइबर सुरक्षा और थ्रेट इंटेलिजेंस को बेहतर बनाने के प्रयास किए जाएंगे।